शैक्षिक सांख्यिकी

सीहोर जिला

(३०-९-८६ की स्थिति में)

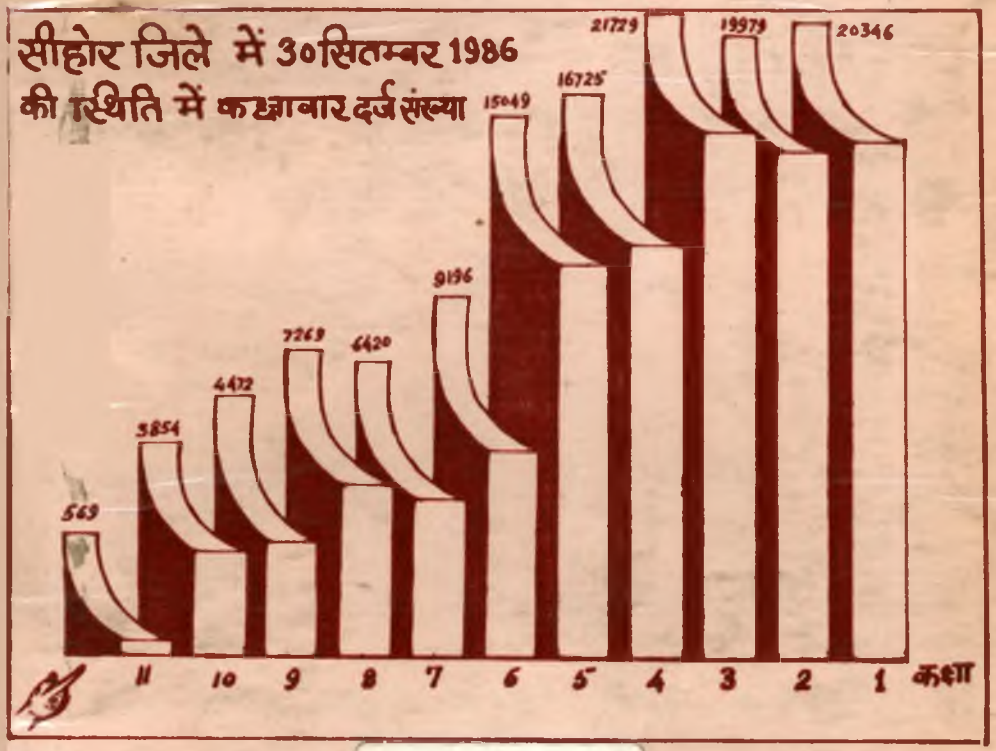

NIEPA DC
D03957

शिक्षा विभाग सीहोर-जिला (म० प्र०)

शैक्षिक सांख्यिकी

सीहोर जिला

(३०-९-८६ की स्थिति में)

शिक्षा विभाग सीहोर-जिला (म० प्र०)

Sdn. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. 3957
Date 14/9/87

बन्सीलाल धूतलहरे,
शालेय शिक्षा मन्त्री,
एवं
अध्यक्ष
बीस सूत्रीय-कार्यक्रम समिति,
जिला–सीहोर

सराहनीय प्रयास

जिला-सीहोर मेरी श्रद्धा-भावना का केन्द्र और यहाँ के नागरिक मेरे लिए सम्माननीय अपितु प्रेम के पात्र रहे हैं। यही कारण है कि इस जिले की प्रगति में मेरा ममत्व रुचि और लगन रही है। आज जबकि जिला शिक्षा-प्रशासन अपनी उपलब्धियों और भावी प्रवृत्तियों का चित्र शैक्षिक सांख्यिकी के माध्यम से प्रस्तुत करने जा रहा है–मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वचन प्रेषित करते हुए इस प्रयास की सराहना करता हूँ और कामना करता हूँ कि इसी प्रकार प्रदेश के अन्य जिले भी अपनी गति-प्रगति का आकलन कर जनता को अभिव्यक्त करते रहें।

बधाई एवं शुभकामना,

३० मार्च १९८९

बन्सीलाल धूतलहरे

हरिशंकर पाठक
आय. ए. एस.
आयुक्त–लोक शिक्षण
म. प्र. भोपाल

विकास की अनन्त संभावनाएँ

यह जानकर मुझे प्रसन्नता है कि सीहोर जिला, शिक्षा-प्रशासन, वर्ष १९८३-८४ से ८६-८७ तक की अपनी गति, प्रगति और उपलब्धियों का विवरण 'शैक्षिक सांख्यिकी' पुस्तिका के माध्यम से प्रकाशित कर रहा है। ऐसे प्रकाशन आवश्यक तो हैं ही अपितु उनकी उपादेयता भी है। इससे भावी दिशा निर्धारित करने में सहयोग मिलता है।

मैं इस जिले के जिलाधीश के पद पर कार्य करते हुए इसके भावी विकास की संभावनाओं को निकट से देख चुका हूँ। यह जिला उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर होता रहेगा। मैं इसके सतत् विकास के प्रति आशान्वित हूँ।

इस अवसर पर मेरी शुभकामना एवं बधाई!

२८ मार्च १९८७

हरिशंकर पाठक

खुशीराम
जिलाधीश
जिला–सीहोर
म. प्र.

संदेश

सीहोर जिले में शिक्षा विभाग शिक्षण सुविधाओं के विस्तार एवं उनमें गुणात्मक सुधार के लिये सतत् प्रयत्नशील है। इस दिशा में विभाग द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों की जानकारी का प्रकाशन एक सराहनीय कदम है। यद्यपि जिले में साम्प्रदायिक एवं असामाजिक तत्व लगातार क्रियाशील रहे हैं इसके बावजूद भी शिक्षण कार्य पर किसी प्रकार का विशेष विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा है तथा वर्तमान परिप्रेक्ष में साम्प्रदायिक एकता एवं सद्भावना को दृष्टिगत रखकर विभाग द्वारा प्रारम्भ की गई गुणात्मक सुधारों का असर निश्चित अवधि के बाद ही दृष्टिगोचर होगा। विभाग में कार्य के प्रति समर्पण एवं नैतिक मूल्यों के प्रति पुनःस्थापना के लिये जो प्रयास प्रारंभ किये गये हैं, उससे सुधार की संभावनाएं क्षितिज पर स्पष्ट दृष्टिगोचर होने लगी है। फिर भी यह स्पष्ट है कि, इस एकांगी मुहिम का असर सीमित ही हो सकता है जब तक कि शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रत्येक शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी तथा समस्त छात्रों एवं उनके अभिभावकों का सहयोग नहीं मिलेगा। मेरा विश्वास है कि अच्छे कार्य में सभी का सहयोग प्राप्त होगा।

मुहिम की सफलता के लिये शुभ कामनाएँ प्रेषित हैं।

३० मार्च १९८७

खुशीराम

प्राक्कथन

नए बोस सूत्रीय कार्यक्रम और नई शिक्षा-नीति के क्रियान्वयन के अवसर पर अपनी वस्तुस्थिति का अध्ययन इसलिए आवश्यक है कि उस पर भावी प्रवृत्ति और शैक्षिक योजनाओं का निर्माण किया जा सके। इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि प्रत्येक जिले की वस्तुस्थिति संसाधन एवं संभावनाएँ भिन्न-भिन्न है, और भावी योजनाओं का क्रियान्वयन उन्हीं संसाधनों पर अवलंबित हैं जो वहाँ उपलब्ध होते हैं।

इस मान्यता के प्रकाश में सीहोर जिले का वस्तुनिष्ठ शैक्षिक अध्ययन आवश्यक प्रतीत हुआ, और यही उद्देश्य है इस प्रकाशन का। इसी के साथ यह भी ज्ञात करना आवश्यक था कि हम अपनी भावी गति का शुभारम्भ कहाँ से करें। इसके लिए एक माइल-स्टोन निर्धारित करना आवश्यक प्रतीत हुआ। इस दिग्दर्शन में यही प्रयास रहा है।

अध्ययन की समय सीमा वर्ष १९८१ से १९८७ तक निर्धारित करने का एक औचित्य सामने था। वह यह कि वर्ष १९८० के बाद का समय हमारे लिए नए-नए संकल्पों को लेकर सामने आया। इन संकल्पों में सबसे प्रमुख संकल्प यह है कि हमें वर्तमान भारत को इक्कीसवीं शताब्दी में ले जाना है। इसकी तैयारी करना है–विचारों से भी और कर्मों से भी, अतः यह देखना कि इस अवधि में हम क्या कुछ कर पाए हैं–रुचिकर प्रतीत हुआ। इसका एक दूसरा लाभ यह भी है कि हम अपनी त्रुटियों और अभावों को जानें। परिवर्तन के इस काल में यह जानना आवश्यक प्रतीत हुआ।

सीहोर जिला विकास की अनंत संभाव्नाओं को अपने अन्तर में लिए कुशल मार्ग-दर्शन के लिए बाट-जोहता रहा, किन्तु सौभाग्य से इस जिले को श्रध्देयवर डॉ. शंकर दयालजी शर्मा का सुयोग्य नेतृत्व प्राप्त हुआ और विकास की कहानी प्रारम्भ हुई। फलस्वरूप कृषि महाविद्यालय, स्नातक महाविद्यालय, शिक्षक प्रशिक्षण शाला, तकनीकी विद्यालय, बुधनी ट्रेक्टर केन्द्र जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही। माननीय बंसीलालजी धृतलहरे, शालेय शिक्षा मन्त्री एवं अध्यक्ष बोस सूत्रीय समिति, जिला सीहोर तथा जिले के प्रबुद्ध एवं लगनशील नागरिकगणों ने विविध क्षेत्रों में अपने अमूल्य योगदान से विकास कार्यों को गतिशील किया।

शैक्षिक सांख्यिकी का संकलन एक कठिन कार्य है। इस संकलन के संपादन में कार्यालयीन सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री पुरुषोत्तम होलानी का अथक परिश्रम एवं सहयोग सराहनीय हैं।

यह स्पष्ट करना आवश्यक प्रतीत होता है कि शैक्षिक सांख्यिकी के प्रकाशन की बड़े लम्बे समय से प्रतीक्षा थी। सन् १९७५ से अब तक की अनकही प्रगति चर्चा प्रकाशन की प्रतीक्षा में थी, अतः यह प्रयास किया गया है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के शब्दों में––

"हम क्या थे, क्या हो गए, और क्या होंगे अभी,
आओ विचारें आज मिलकर, ये समस्याएं सभी।"

इस प्रयत्न में त्रुटियाँ और अभाव संभव हैं, अतः संशोधन एवं मार्गदर्शन अपेक्षित और आमन्त्रित हैं।

वर्ष प्रतिपदा
दि. ३० मार्च ८७

डॉ मंडन त्रिवेदी
उपसंचालक शिक्षा
जिला–सीहोर

❀ अनुक्रमणिका ❀

सं. क्र.	विषय	पृष्ठ क्र.
१	जिला परिचय	१
२	सामान्य शैक्षिक जानकारी	६
३	अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण १९७८ के आधार पर सीहोर जिले की शैक्षिक स्थिति	८
४	विकास खण्ड वार जिला विकास योजना (३०-९-८१)	१२
५	जिले की शैक्षिक प्रगति, वर्ष १९७३-७४ एवं १९८६-८७ का तुलनात्मक अध्ययन एवं ३०-९-८६ की स्थिति में शैक्षिक आकड़े	१४
६	जिले में महिला शिक्षा की स्थिति	२४
७	औपचारिकेत्तर शिक्षा योजना	२५
८	पढ़ो कमाओ योजना	२७
९	छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत हरिजन, आदिवासी छात्रों को वितरित छात्रवृत्ति	२८
१०	विकलांग बालक-बालिकाओं को वितरित छात्रवृत्ति	२८
११	१० + २ शिक्षा प्रणाली का प्रारम्भ	२९
१२	जिले की शैक्षिक प्रगति (२० सूत्रीय कार्यक्रम के परिप्रेक्ष में एक दृष्टि)	३२
१३	प्रशासनिक व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण	३४
१४	३०-९-८६ की स्थिति में समस्त शैक्षिक संस्थाओं की सूची	३९

मानचित्र, लम्ब चित्र एवं तालिकाएँ

सं. क्र.	विषय	पृष्ठपृष्ठ क्र.
१	सीहोर जिले का मानचित्र शैक्षिक संस्थाओं सहित	....
२	भारत मध्यप्रदेश एवं सीहोर जिले की तुलनात्मक साक्षरता	....
३	संस्थाएँ, शिक्षक, छात्र संख्या एवं व्यय वर्ष १९७३-७४ एवं ८६-८७ का तुलनात्मक अध्ययन	
४	३०-९-८६ की स्थिति में कक्षावार दर्ज छात्र संख्या	....
५	३०-९-८६ की स्थिति में ६ से ११ एवं ११ से १४ आयु समूह की जनसंख्या पर दर्ज कुल बालक, बालिका एवं हरिजन आदिवासी बालिकाओं की दर्ज संख्या का प्रतिशत	....
६	**तालिकाएँ**	
१	सामान्य जानकारी १९८१ की जनगणना के आधार पर	४
२	सामान्य शैक्षिक जानकारी एवं साक्षरता	६
३	११७८ के शैक्षिक सर्वेक्षण से सम्बन्धित तालिकाएँ (एक से सात)	११०
४	जिला विकास योजना ३०-९-८१ की तालिका क्र. १, २	११२
५	शैक्षिक प्रगति तुलनात्मक तालिका वर्ष १९७३-७४ एवं १९८६-८७	११४
६	३०-९-८६ की स्थिति में प्रबंधानुसार शिक्षण संस्थाएँ	११७
७	३०-९-८६ की स्थिति में विकास खण्ड वार शिक्षण संस्थाएँ	११७
८	३०-९-८६ की स्थिति में स्तर वार दर्ज छात्र संख्या	११८
९	३०-९-८६ की स्थिति में अध्यापकीय व्यवस्था (महाविद्यालयों सहित)	१८८
१०	३०-९-८६ की स्थिति में समस्त दर्ज छात्र संख्या (महाविद्यालयों सहित)	१९९
११	३०-९-८६ की स्थिति में शालेय स्तर के शिक्षा विभागीय भवन	२००
१२	३०-९-८६ की स्थिति में शालेय स्तर पर ६ से ११ एवं ११ से १४ आयु समूह की जनसंख्या पर कुल बालक, बालिका एवं हरिजन आदिवासी बालिकाओं की दर्ज संख्या का प्रतिशत	२०१
१३	३०-९-८६ की स्थिति में प्रबंधानुसार बालक एवं बालिका संस्थाओं में दर्ज संख्या	२१९
१४	३०-९-८० एवं ३०-९-८६ की स्थिति में शिक्षक संख्या अनुसार शालायें	२२९
१५	३०-९-८० एवं ३०-९-८६ की स्थिति में छात्र संख्या अनुसार शालायें	२३
१६	३१ मार्च १९८७ की स्थिति में जिले की प्रशासनिक व्यवस्था	३५

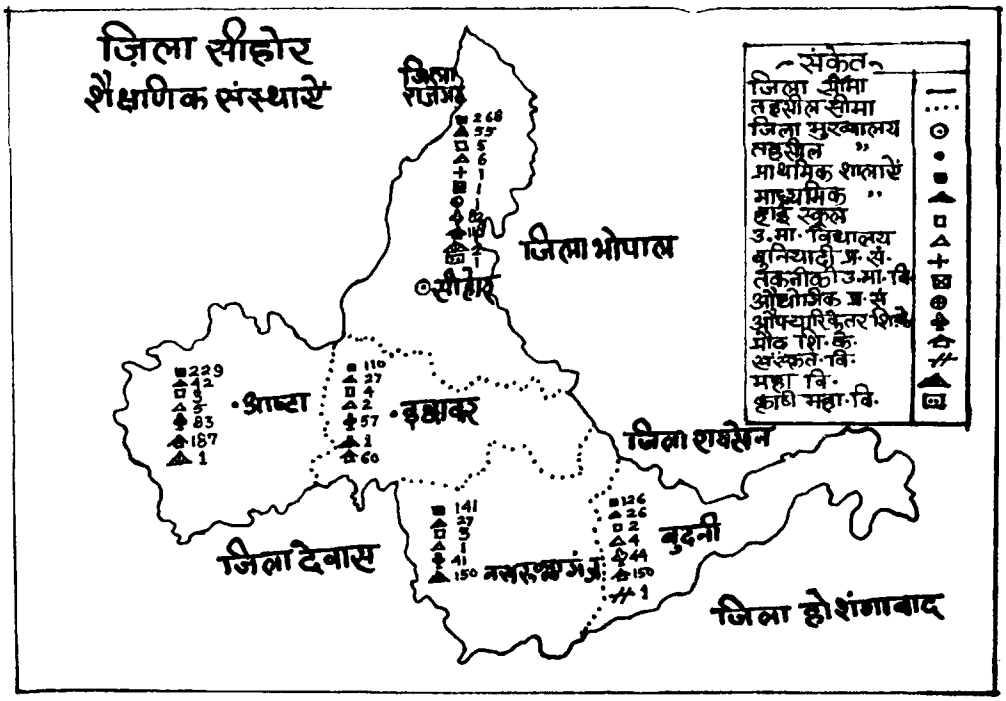

ज़िला सीहोर
शैक्षणिक संस्थाएं
जिला भोपाल
सीहोर
आष्टा
इछावर
जिला रायसेन
जिला देवास
बुदनी
जिला होशंगाबाद
संकेत
जिला सीमा
तहसील सीमा
जिला मुख्यालय
तहसील "
प्राथमिक शालाएं
माध्यमिक "
हाई स्कूल
उ. मा. विद्यालय
बुनियादी प्र. सं.
तकनीकी उ. मा. वि.
औद्योगिक प्र. सं.
औपचारिकेतर शि.
प्रौढ शि. के.
संस्कृत वि.
महा वि.
कृषि महा. वि.

सीहोर

"सीहोर" शब्द अपने पीछे, प्रागेतितिहासिक एवं ऐतिहासिक इतिवृत लिए हुए है, जो संभवत: "शिव–हर" "शिव–हार" "शिवोहर:" "सीयाय–हार" सिद्धपुर आदि से परिवर्तित होता हुआ "सीहोर" में रुढ़ हो गया है, जिसकी पृष्ठभूमि में शैवौव, शाक्त, नाथ और सिद्ध क्षेत्र के रहस्य अन्तर्निहित हैं। मालव अंचल का यह गौरवशाली क्षेत्र कभीमी शिव का हार और कभी सीता का हार और कभी भगवान शिव और विष्णु की पूजास्थली की पुण्यभूमि रहा है। वर्तमान "सीवन" नदी प्राचीन, 'शिव–बन' का ही अपभ्रंश है, जो अपने तट पर स्थित एक सौ आठ शिवलिंग की पूजा के पुण्य–जल की भांति इस क्षेत्र में प्रवाहित है। महान् सिद्ध, नाथ, संत, महात्मा यत्र–तत्र बिखरी समाधियों में चिरसाधनों में व्यस्त हैं। उसी पुण्य के प्रभभाव से आज भी इस क्षेत्र का कण–कण प्रगति और पुण्य के बीज संजोए हुए है। यही कारण है किंके मध्यप्रदेश में सीहोर सिरमौर और सफलता का पर्यायवाची बनता जा रहा है।

भौगोलिक परिवेश

विन्ध्याचल की उपत्यका और प्रकृतिति की हरी भरी और श्यामल गोद में बसा मध्यप्रदेश का यह जिला २२°३२ से २३°४० उत्तर अक्षांश और ७६°२२ से ७८°०२ पूर्व देशांतर के मध्य, इन्दौर भोपाल के व्यस्ततम मार्ग पर अपनी महत्वपूर्ण स्थितित के लिए प्रसिद्ध हैं। जिले का क्षेत्रफल ६५७८ किलोमीटर है। जिले के उत्तर में भोपाल, पूर्व में रायसेन, , दक्षिण पूर्व में होशंगाबाद उत्तर में शाजापुर तथा पश्चिम में देवास जिले की सीमाएँ लगती हैं।

सीहोर जिले की समुद्र सतह से सामान्य ऊँचाई १५०० फीट है। ग्राम आमामाय २१०७ फीट की ऊँचाई पर स्थित है।

ऊँची पर्वत मालाएँ, सघन वन और सरिताएँ इस जिले की सीमा का निर्धारण करती हैं, जबकि जिले का अधिकांश–भाग मालवा की शस्य श्यामला समतल भूमि का अंग है। शिव के कण्ठ और वक्ष पर लहराते नागों की भांति अनेक सरिताएँ इस जिले का शृंगार करती हैं। इन नदियों में प्रमुख हैं नर्मदा, (दक्षिण छोर) भागनेर, कुल्हार, अंजर, पार्वतीती; कलियासोत, अजनाल, सीवन, कोलार, दोदुमा, वारना आदि

जलवायु, भूमि, वन, कृषि और खनिज

वर्षाकाल मध्य जून से मध्य सितम्बर तक, १०८ शिवलिंग के इस क्षेत्र पर बादल अभिषेक करने आते हैं, जो लगभग १२४५ मि० मी०, वर्षा का जल उड़ेलते हैं। न शीत अधिक शीतल, और न ग्रीष्म अधिक गर्म रहती हैं।

जिले की उपजाऊ काली मिट्टी, गेहूँहूँ, ज्वार, चना, तिलहन, सोयाबीन, गन्ना, कपास आदि के रूप में आर्थिक समृद्धि को आधार प्रदान करती है।

इस जिले की १,७२,३०२ हेक्टेयर भूमि वनों से आच्छादित है, जिनमें सागौन, साजड़, साल तेंदू, महुआ, बांस, बबूल, हरें, नीम आदि के वृक्ष बहुतायत से पाए जाते हैं।

मान्यता है कि इस जिले का भूगर्भ अमूल्य खनिजों से भरपूर है, जो भूगर्भशास्त्रियों को आशाभरी दृष्टि से आमंत्रित कर रहा हैं। चूना और सीलिका सैण्ड उपलब्ध खनिज है।

जिले में लगभग १'१३ लाख पशु हैं, जिनसें लगभग तीन चौथाई गौवंशीय हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

उदारमान मालव संस्कृति के एक अंग के रूप में सीहोर जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि उच्चकोटि के प्रागैतिहासिक संस्कार लिए हुए हैं, जिसे सिध्दों, नाथों, शैवों और शाक्तों ने समन्वितत रूप से पुष्ट किया था। किसी समय यह क्षेत्र महाकालेश्वर, अवंतिका महाश्मशाण का एक गौरवशाली धर्मक्षेत्र रहा है। कालांतर में यह क्षेत्र मगध साम्राज्य, हर्षवर्द्धन, राजा भोज, पेशवा सरदार, रानी कमललावती मुस्लिम प्रशासक मो० फारूक दोस्त मोहम्मदखां और अंग्रेज प्रशासकों का सीहोर नगर और आसपास के क्षेत्र पर आधिपत्य रहा है। सेन्ट्रल इंडिया के रजवाड़ों की देखरेख करने वाले रेजीडेन्ट और पोलिटिकल एजेन्ट का मुख्यालय सीहोर ही रहा है।

अंग्रेजों के साथ नवाब भोपाल की सन्धि २६ फरवरी, सन् १८१८ के आर्टिकल ११ के अनुसार नवाब भोपाल और उनके उत्तराधिकारियों को आष्टा, इछावर, सीहोर, दौराहा, देवीपुरा के सर्वाधिकार प्रदान किए गए। उसी के तारतम्य में पश्चिमी जिले के नाम से सीहोर जिले की सर्वप्रथम स्थापना नवाबी शासन भोपाल के अन्तर्गत की गई, जिसका मुख्यालय पहले तो आष्टा बनाया गया, परन्तु सन् १९३० में जिला मुख्यालय सीहोर स्थान्तरित कर दिया गया। जून १९४९ को भोपाल "सी" श्रेणी का राज्य बनाया गया, जिसके अन्तर्गत सीहोर को पुनः पृथक्क जिला घोषित किया गया। सीहोर के लिए अत्यंत गौरव की बात यह थी कि १ नवम्बर, १९५६ सें १ अक्टूबर १९७२ तक विशाल मध्य-प्रदेश राज्य की राजधानी भोपाल, सीहोर जिलान्तर्गत एक तहसील मात्रा रही। दिनांक २ अक्टूबर १९७२ को सीहोर जिले का पुनर्गठन हुआ, जिसके फलस्वरूप भोपाल और सीहोर को अलग-अलग जिले के रूप में घोषित किया गया।

औद्योगिक उपलब्धियाँ

औद्योगिक विकास की अनंत संभावनाओं को छिपाए यह जिला राज्य के अन्य जिलों की तुलना में अभी औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। वर्तमान में इस जिले के प्रमुख उद्योगों में शुगर मिल्स, पेपर मिल, पशु आहार संयंत्र, साल्वेन्ट प्लान्ट आदि सम्मिलित हैं।

रेल एवं सड़क परिवहन

सीहोर को रतलाम–भोपाल ब्राडगेज लाईन और बुधनी को भोपाल–नागपुर लाईन का लाभ प्राप्त है। जिले में ६१७ कि० मी० सड़के फैली हुई हैं। १०६ ग्राम पक्की सड़कों से जुड़े हुए हैं।

भाषा और बोली

राष्ट्रभाषा हिन्दी ही जिले की प्रमुख भाषा है। इस क्षेत्र के लोग साधारणत: बोलचाल में 'मालवी' का प्रयोग करते हैं जिसमें बुन्देलखण्डी, राजस्थानी, गुजराती आदि के समिश्रण से नया स्वरूप धारण कर लिया है

दर्शनीय एवं मनोरंजन स्थल

सीहोर स्थित शिवमंदिर, हनुमान मंदिर, गणेश मंदिर, कुंवर चैनसिंह की छत्री, छावनी का मनवकामनेश्वर मंदिर, जगदीश मंदिर, कस्बे की जामा मस्जिद, आष्टा में महादेव और अन्नपूर्णा मंदिर सलकनपुर स्थित माता मंदिर आदि दर्शनीय स्थल हैं। ग्राम जामोनिया टैंक, गांधी उद्यान, बुदनी में दैलावाड़ी, सलकनपुर में माता मन्दिर और इछावर में कोनाझिर टैंक, आदि इस जिले के मनोरंजन स्थल हैं।

तहसील एवं जनसंख्या

सीहोर जिला पांच तहसीलों में विभक्त है, जो कि विकासखण्ड मुख्यालय भी है। इनके नाम हैं— सीहोर, आष्टा, इछावर, बुदनी और नसरूल्लागंज। सन् १९८१ की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या ६,५७,३८१ है। इसमें ३,४४,६६७ पुरुष एवं ३,१२,७६४ महिलाएँ है। स्त्री पुरुषों का अनुपात ४८:५२ है। जनसंख्या में वृध्दि की दर दस वर्षीय १९७१–८१ का २८:२० प्रतिशत रही, जबकि यही वृद्धि १९६१–७१ के बीच ३३·८९ प्रतिशत थी। १९८१ के अनुसार अनुसूचित जाति एवं जनजाति, जनसंख्या का २०·३४ और ९·११ प्रतिशत थी। जिले में ग्रामों की संख्या १०६९ है, जिनमें ९९८ ग्राम आबाद और ७१ ग्राम गैर आबाद हैं। जिले में ७ नगर पालिकाएँ तथा २३४ ग्राम पंचायतें हैं।
(देखिए तालिका क्रमांक १)

एक दिन

"[redacted] सांख्यिकीय चिंतन कुशल नागरिकता के लिये उतना ही आवश्यक होगा जितना पढ़ने लिखने की योग्यता"

–एच. जी. वेल्स

तालिका

जिला/तहसील	कुल ग्रामीण शहरी	क्षेत्रफल वर्ग कि.मी.	कुल जन-संख्या	पुरुष	महिला
१	२	३	४	५	६
जिला सीहोर कुल		६५७८.००	६५७३८१	३४४६६७	३१२७१४
	ग्रामीण	६४६८.१६	५५००२८	२८७३०२	२६२७२६
	शहरी	१०९.८४	१०७३५३	५७३६५	४९९८८
१ सीहोर कुल		१५८४.२	२०९५८५	११०९६६	९८६१९
तहसील	ग्रामीण	१५६७ ८	१५७३९५	८२८४२	७४५५३
	शहरी	१६.४	५२१९०	२८१२४	२४०६६
सीहोर	शहरी	१६.४२	५२१९०	२८१२४	२४०६६
२ आष्ठा कुल		१४५४.६	१८३९८३	९५७५५	८८२२८
तहसील	ग्रामीण	१४२५.०	१५९५२६	८२८४९	७६६७७
	शहरी	२९.६	२४४५७	१२९०६	११५५१
आष्टा	शहरी	१५.४	१९६१९	१०३५५	९२६४
जावर	शहरी	१४.२	४८१८	२५५१	२२८७
३ ईछावर कुल		१११०.९	८०९१८	४२५१४	३८४०४
तहसील	ग्रामीण	१११०.६	७२४५७	३८०३३	३४४२४
	शहरी	०.३	८४६१	४४८१	३९८०
इछावर	शहरी	०.३१	८४६१	४४८१	३९८०
४ नसरूल्लागंज कुल		१३५३.३	९८३०९	५१०४०	४७२६९
तहसील	ग्रामीण	१३४४.४	९१०९७	४७२४६	४३८५१
	शहरी	८.८	७२१२	३७९४	३४१८
नसरूल्लागंज	नगरीय	८.८	७२१२	३७९४	३४१८
५ बुधनी कुल		१०६०.८	८४५८६	४४३९२	४०१९४
तहसील	ग्रामीण	१००६.०६	६९५५३	३६३३२	३३२३१
	शहरी	५४ ७४	१५०३३	८०६०	६९७३
बुधनी	शहरी	४५.४६	९८०८	५२९५	४५१३
रेंहटी	शहरी	९.२८	५२२५	२७६५	२४६०

नोट:-- आष्टा, जावर, रेहटी एवं बुदनी नगरपालिका क्षेत्र १९८१ की जनगणना के बाद घोषित हुए है उक्त नगरीय—

क्रमांक एक

अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल ग्रामों की संख्या वीरान ग्राम सहित	जिला जन. पंचा	जनपद पंचायत	ग्राम पंचायत	विरान ग्राम
कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला					
७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१३३६७०	६९६७२	६४००७	५९८९०	३०८५५	२९०३५	१०८३	१	५	२३४	७१
१२००९८	६२४७३	५७५३४	५६९९६	२९२४५	२७७५१					
१३५७२	७१९९	६४२३	२८९४	१६१०	१२८४					
३७७३७	१९८६४	१७८७३	४९०३	२५९१	२३१२	३०३		१	६३	१५
३०५०७	१६०११	१४४९६	४५४२	२३८८	२१५४					
७२३०	३८५३	३३७७	३६१	२०३	१५८					
७२३०	३८५३	३३७७	३६१	२०३	१५८					
५३५१९	२७६९२	२५८२७	४०६९	२०९६	१९७३	२९९		१	६३	२१
५०३७७	२६०९१	२४२८६	३९१८	१९९९	१९१९					
३१४२	१६०१	१५४१	१५१	९७	५४					
१९७५	१००९	९६६	५०	३५	१५					
११६७	५९२	५७५	१०१	६२	३९					
१५९१३	८३६३	७५४९	१२१५३	६२९३	५८६०	१५९		१	३०	२२
१५२७०	८०१७	७२५३	११७३२	६०६४	५६६८					
६४२	३४६	२९६	४२१	२३९	१९२					
६४२	३४६	२९६	४२१	२३९	१९२					
१५०२२	७८३१	७१९१	२५३६५	१३००७	१२३५८	१६८		१	४२	३
१४४९७	७५६०	६९३७	२५०५३	१२८२१	१२२३२					
५२५	२७१	२५४	३१२	१८६	१२६					
५२५	२७१	२५४	३१२	१८६	१२६					
११४८९	५९०२	५५६७	१३४००	६८६८	६५३२	१५४		१	३६	१०
९४५६	४७९४	४५६२	११७५१	५९७३	५७७८					
२०३३	११२८	१००५	१६४९	८९५	७५४					
१७६८	९४३	८२५	१५२९	८२९	७००					
२६५	१८५	१८०	१२०	६६	५४					

क्षेत्र की जानकारी जिला सांख्यिकीय कार्यालय से प्राप्त की गई है, शेष जगगणना पुस्तिका १९८१ से प्राप्त की गईहै।

सामान्य शैक्षिक जानकारी

सार्वभौमिक शिक्षा के क्षेत्र में की गई संवैधानिक स्वीकारोक्ति, जिसके अनुसार ६ से १४ वर्ष के सभी बालक बालिकाओं के लिए शिक्षा अवसर उपलब्ध करवाना अनिवार्य हैं–इस प्रेरणा के प्रकाश में शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार की वस्तुस्थिति का आंकलन आवश्यक हैं। इसी के साथ यह भी सही है कि आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में आनेवाले अवरोधों को शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है। मध्यप्रदेश राज्य में आयोजना पध्दति के प्रारम्भिक काल से शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान दिया गया। सीहोर जिला शिक्षा अनुष्ठान के क्षेत्र में पीछे नहीं है। वैसे भी शैक्षणिक दृष्टि से सीहोर का सेन्ट्रल इंडिया एजेन्सी में महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

(विस्तृत जानकारी के लिए देखिए तालिका क्रमांक २)

तालिका क्रमांक–दो

(३०–९–१९८६)

(१) शासकीय महाविद्यालय	४
(२) कृषि महाविद्यालय	१
(३) हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी १७+१८	३५
(४) तकनीकी उ. मा. विद्यालय	१
(५) ,, माध्यमिक विद्यालय	१
(६) माध्यमिक विद्यालय	१७६
(७) प्राथमिक विद्यालय	८७४
(८) पूर्व प्राथमिक विद्यालय [बालवाड़ी]	७१
(९) बुनियादी प्रशिक्षण संस्था	१
(१०) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था	१
(११) संस्कृत विद्यालय	१
(१२) औपचारिकेत्तर शिक्षा केन्द्र	३०७
(१३) प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र	६६५
(१४) केन्द्रीय विद्यालय (मिडिल स्तर)	१

(१) शालाओं से लाभान्वित जनसंख्या

प्रति प्राथमिक शाला	८७१
प्रति माध्यमिक शाला	४३२७
प्रति उ. मा. शाला (ओल्ड पेटर्न)	२३८००

(२) शालाओं से लाभान्वित क्षेत्रफल वर्ग (कि. मी.)

प्रति प्राथमिक शाला	७५
प्रति प्राथमिक शाला	३७.३
प्रति उ. मा शाला	२०५.५

(३) प्रति माध्यमिक शालाओं पर प्राथमिक शाला ५०

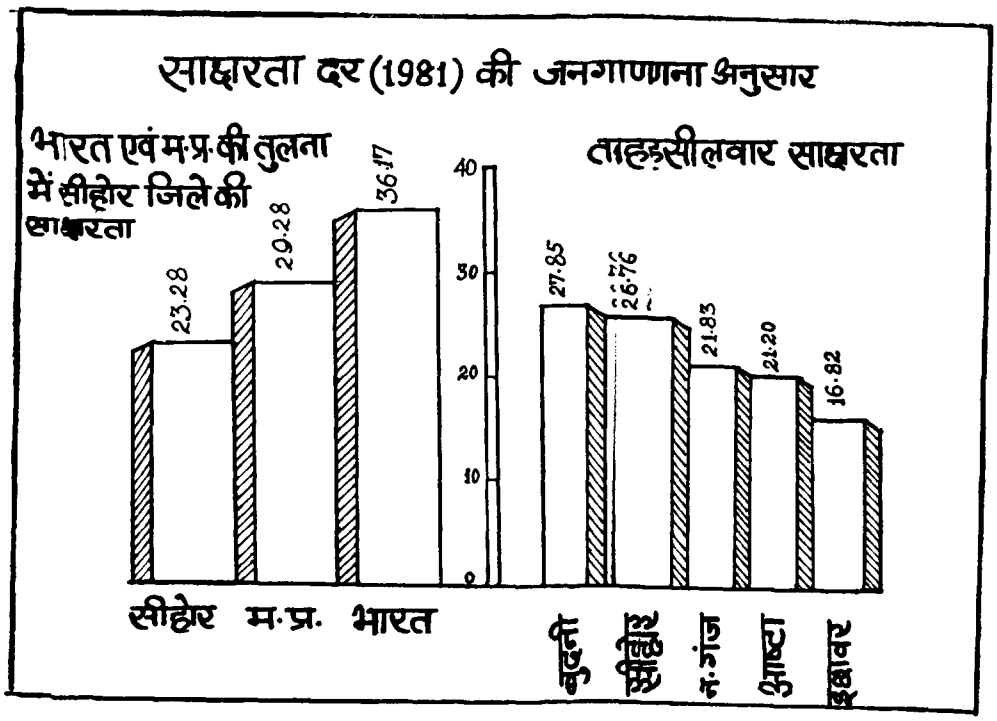
साक्षरता दर (1981) की जनगणना अनुसार
भारत एवं म.प्र. की तुलना में सीहोर जिले की साक्षरता
23.28
29.28
36.17
सीहोर
म.प्र.
भारत
40
30
20
10
0
तहसीलवार साक्षरता
27.85
26.76
21.83
21.20
16.82
बुदनी
सीहोर
न.गंज
आष्टा
इछावर

(४) प्रति उ. मा. पर माध्ययमिक शालायें ५.०

(५) शिक्षक छात्र अनुपात :

प्राथमिक शाला	४२.५
माध्यमिक शाला	२७.४
उ. मा. शाला	२३.३

(६) प्रति छात्र व्यय

प्राथमिक शाला	२३८०
माध्यमिक शाला	५९७.१
उ. मा. शाला	७७३.३

(७) साक्षरता दर (१९७१ एवं १९८१) जनगणना के अधार पर

	भारत	मध्यप्रदेश	सीहोर
१९७१	२९.४	२२.१	२९.७
१९८१	३६.१७	२९.९४	२३.२८

(१९८१ में साक्षरता कम होने का कारण यह है कि १९७१ में भोपाल जिला सीहोर में सम्मिलित था)

(८) तहसीलवार साक्षरता दर (जनसंख्या १९८१)

		पुरुष	महिला	कुल
तहसील	सीहोर	३८.८२	१३.२०	२६.७६
,,	आष्टा	३४.४२	६.८५	२१.२०
,,	इछावर	२८.०५	४.६०	१६.८२
,,	बुधनी	४०.५७	१३.७९	२७.८५
,,	नसरूल्ला गंज	३२.२६	८.९१	२१.८३
	कुल	३५.५३	९.७७	२३.२८

उपरोक्तानुसार प्रस्तुत साक्षरता दरर के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि जिले में पुरुष एवं महिलाओं की कुल साक्षरता २३.२८ प्रतिशत है। पुरुषों की साक्षरता ३५.५३ की तुलना में महिलाओं की साक्षरता का शतमान ९.७७ चिन्तनीय हैं। साक्षरता की दृष्टि से सीहोर जिले का मध्यप्रदेश में तीसवाँ स्थान आता है, जो कि बहुत कम है। अगले पृष्ठ पर अंकित तुलनात्मक बार डायग्राम जिले की साक्षरता की दृष्टि से सही चित्र प्रस्तुत करता है।

संदर्भित सुझाव—

प्रादेशिक स्तर पर तुलनात्मक दृष्टि से साक्षरता बहुत कम हैं, अत: चिन्तनीय एवं विचारणीय है। इस कमी के दो प्रमुख कारण हैं—

१. महिलाओं की साक्षरता का कम होना।

२. आष्टा, इछावर एवं नसरुल्लला गंज तहसीलों से महिला और पुरुष साक्षरता का कम होना।

अत: जिले की साक्षरता का शतमान ऊपर उठाने के लिए—

१. महिला शिक्षा विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए।

२. तहसील आष्टा, इछावर और नसरूल्ला गंज में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार शिक्षा-सुविधाओं के विस्तार का प्रयास किया जाए। इन तहसीलों में आदिवासी, जनजाति एवं पिछड़े वर्गों का बाहुल्य है। इस वस्तु स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा-विस्तार की योजना तैयार की जाना आवश्यक है।

अखिल भारतीय चतुर्थ शैक्षिक, सर्वेक्षण १९७८ के आधार पर सीहोर जिले की शैक्षिक स्थिति

प्राथमिक शिक्षा

भारतीय संविधान की धारा ४५ में १४ वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्धकरने की बात कही गई है। राज्यों में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षा के निर्धारित पेटर्न के अनुसार सामान्यः ११ वर्ष की आयु तक के बच्चों को प्राथमिक स्तर की तथा १४ वर्ष तक की आयु के बच्चों को पूर्व माध्यमिक सर की शिक्षा प्राप्त कर लेना चाहिये। संविधान में उल्लिखित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये, संविधान लागू होने के दिनांक से १० वर्ष की अवधि निर्धारित की गई थी किन्तु विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से यह लक्ष्य अज तक प्राप्त नहीं किया जा सका। पिछली कुछ पंचवर्षीय योजनाओं से इस दिशा में यद्यपि गहन प्रयास किये जा रहे हैं किन्तु लक्ष्य अभी भी दूर है और बहुत कुछ किया जाना शेष है।

प्रथमिक शिक्षा के प्रसार के सम्बन्ध में शिक्षा आयोग (१९६४-६६) ने अनुशंसा की है कि प्राथमिक स्कूल की सुविधा बच्चों को जहाँ तक सम्भव हो उनके निकटतम स्थान पर ही उपलब्ध कराई जाय चाहे इस हेतु; आर्थिक दृष्टि से खर्चीले एवं कम दक्षता वाले स्कूल ही क्यों न स्थापित करना पड़े। उपरोक्त अनुशंसा के प्रकाश में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लिए यह आवश्यक जान पड़ता है कि ३०० से अधिक जनसंख्या वाली प्रत्येकबस्ती में प्राथमिक स्कूल की सुविधा उपलब्ध हो तथा ३०० से कम जनसंख्या वाली प्रत्येक बस्ती को यह सुविधा से कम एक किलोमीटर की दूरी तक उपलब्ध हो। चतुर्थ शिक्षा सर्वेक्षण में प्राप्त प्राथमिक शिक्षा समबन्धी जानकारी का विश्लेषण इस प्रकार है—

जिला सीहोर—

३० सितम्बर १९७८ की स्थिति में जिले में कुल १०८७ ग्रामीण बस्तियाँ है जिनमें ५ ३७,५९८ जनसंख्या है। जहाँकी ६४.३ प्रतिशत या ६९९ बस्तियाँ को जिनकी जनसंख्या ४,७३,३१७ है जो जिले की कुल ग्रामीण जनसंख्याका ८८ प्रतिशत है, प्राथमिक शिक्षा की सुविधा बस्ती के अन्दर उपलब्ध है। जिले की ७८.९ प्रतिशत्त या ८५८ बस्तियों को जिनकी जनसंख्या ५,००४६७ या जिले की कुल जनसंख्या का ९३.१ प्रतिशत है, बस्ती से १ कि. मी तक की दूरी तक प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है शेष २१.१ प्रतिशत या २२९ बस्तियों को जिनकी जनसंख्या ३७,१३१ (६.९ प्रतिशत) है प्राथमिक शिक्षा की सुविधा १ किलो मीटर दूरी तक उपलब्ध नहीं है

माध्यमिक शिक्षा

राज्य में कक्षा ६ से ८ तक की शिक्षा को पूर्व माध्यमिक शिक्षा कहा जाता है जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है कि १४ वर्ष की आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है। उसके अनुसार पूर्व माध्यमिक शिक्षा भी जिसमें कि सामान्तः ११ से १४ वर्ष के बालक/बालिका अध्ययन करते हैं संविधान की धारा ४५ के अन्तर्गत आ जाती है। पूर्व माध्यमिक शिक्षा प्राथमिक शिक्षा की ही अगली कड़ी है अतः प्राथमिक शिक्षा के लोक व्यापीकरण हेतु प्रसार पर ही पूर्व माध्यमिक शिक्षा की सुविधा भी आधारित है और प्राथमिक शिक्षा के प्रसार की गति एवं लक्ष्य की उपलब्धि से पूर्व माध्यमिक शिक्षा का प्रसार एवं उपलब्धि स्वतः ही सम्बद्ध हो जाती है। शिक्षा आयोग (१९६४-६६) ने जिस प्रकार प्राथमिक शिक्षा के लिये भी अनुशंसा के अनुसार जहां तक सम्भव हो ५०० एवं ५०० से अधिक जनसंख्या वाली बस्तियों में पूर्व माध्यमिक

शिक्षा सुविधा बस्तियों में ही उपलब्ध करायी जावे तथा ५०० से कम जनसंख्या वाली बस्तियों को पूर्व माध्यमिक शिक्षा सुविधा ३ कि. मी. के अन्दर उपलब्ध कराई जावें' चतुर्थ शिक्षा सर्वेक्षण में पूर्व माध्यमिक शिक्षा से संबंधित जानकारी का विश्लेषण इसी आधार पर किया गया है ।

जिला सीहोर—

इस जिले में ३०-९-१९७८ की स्थिति में कुल ग्रामीण जनसंख्या ५,३७,५९८ है जो १०८७ बस्तियों में रहती है । ११३ (१०.५ प्रतिशत) बस्तियों की १७९२४६ (३३.३) प्रतिशत जनसंख्या के लिये पूर्व माध्यमिक शिक्षा की सुविधा बस्तियों में ही उपलब्ध है ५९१ (५४.३ प्रतिशत) बस्तियों की ३,६०,८६१ (६७१ प्रतिशत) जनसंख्या के लिये पूर्व माध्यमिक शिक्षा सुविधा ३ कि. मी. के अन्दर उपलब्ध है परन्तु ४९६ (४५६ प्रतिशत) बस्तियों की १,७६,७३७ (३२.९) जनसंख्या के लिये इस स्तर की शिक्षा सुविधा तीन किलोमीटर से भी अधिक की दूरी पर ही उपलब्ध है ।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा—

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की समस्या प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षा से भिन्न है । मुख्य रूप दोनों प्रकार की शिक्षा के लक्ष्य एवं उद्देश्यों के कारण है, जहाँ प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षा लक्ष्य १४ वर्ष तक के बच्चों को अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है वहीं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का उद्देश्य उपयुक्तता एवं चयन के सिद्धान्त पर आधारित है । उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में भिन्न-भिन्न विषयों के संकाय इस शिक्षा की दूसरी विशेषता है । प्रथम अखिल भारतीय शिक्षा सर्वेक्षण प्रतिवेदन में यह सुझाव दिया गया कि उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की सुविधा इतनी प्रदान की जाय जिससे इसका भी सार्वभौमीकरण किया जा सके लेकिन शिक्षा आयोग ने इस बात पर अधिक जोर देने का सुझाव दिया है । शिक्षा आयोग १९६४-६६ ने उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के प्रसार के सम्बन्ध में निम्नलिखित अनुशंसायें की हैं ।

शिक्षा नीति का सबसे बड़ा उद्देश्य प्राथमिक स्कूल को जहाँ तक सम्भव हो बच्चों के अधिक से अधिक निकट ले जाना है, चाहे ऐसे स्कूल में विद्यार्थी प्रवेश हेतु कम संख्या में ही उपलब्ध क्यों न हो और ऐसे स्कूल आर्थिक दृष्टि से भले ही खर्चीले क्यों न हो उच्चतर माध्यमिक स्कूल की सुविधा के सम्बन्ध में दूरी पर ध्यान न देकर इस बात पर जोर दिया है कि उच्चतर माध्यमिक स्कूल अनुकूलतम आकार (Optimum Size) के हो और इसके साथ ही साथ दक्ष एवं मितव्ययी हो । ऐसा प्रयास किया जाना चाहिये कि छोटे तथा अनार्थिक उच्चतर माध्यमिक स्कूल स्थापित न हो इस प्रकार के नियम बनाये जाये जिससे ऐसे स्कूल स्थापित करना कठिन हो जाय, सिवाय ऐसे स्थानों पर जहाँ पर स्थानीय आवश्यकता सिद्ध की जा सकें एवं जहां पर ५ वर्षों या इससे अधिक अवधि में स्कूल का विकास अनुकूलतम आकार [Optimum Size] तक हो सकें ।

जिला सीहोर—

चतुर्थ शिक्षा सर्वेक्षण ३०-९-७८ में इस जिले की कुल १०७७ बस्तियों में से ३६८ (३३.९ प्रतिशत) बस्तियों के लिये ८ कि. मी. की दूरी के अन्दर उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है । इसमें १४ (१.३ प्रतिशत) बस्तियाँ भी सम्मिलित है जिसके अन्दर उच्चतर माध्यमिक शालायें है । जनसंख्या की वृद्धि से इस जिले की ३८.७ प्रतिशत जनसंख्या के लिए ८ कि. मी. की दूरी के अन्दर उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है । इसमें ९.० प्रतिशत जनसंख्या ऐसी सम्मिलित है जिसको यह सुविधा उनकी बस्तियों के अन्दर ही प्राप्त है । इस प्रकार जिले की ६६.१ प्रतिशत बस्तियों तथा ६१.३ प्रतिशत जनसंख्या के लिये यह सुविधा ८ कि.मी. से अधिक की दूरी पर उपलब्ध है ।

सीहोर जिले की चतुर्थ शिक्षा सर्वेक्षण ३०-९-७८ से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तालिकाऐं इस प्रकार हैं:-

तालिका क्रमाँक–एक

विकास खण्ड शहरी क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या

जिले का नाम	जिले में		ग्रामों की संख्या			बस्तियाँ		बस्तियों की अनुमानित
	विकास खण्ड	शहरी क्षेत्र	आबाद	बेचिराग	कुल	अ. जा. बाहुल्य	अ. जनजाति बाहुल्य	जनसंख्या (३०-९-७८ पर)
सीहोर	५	३	१००९	७३	१०८७	९२	१३९	५,३७,५९८

तालिका क्रमांक--दो

स्कूलों की संख्या

जिले का नाम	स्कूलों की संख्या								
	ग्रामीण क्षेत्र				शहरी क्षेत्र		योग		
	प्राथमिक	माध्यमिक	उ.मा.वि./प्राथमिक		माध्यमिक	उ.मा.वि	प्राथमिक	माध्यमिक	उ.मा.वि.
सीहोर	६३१	१०९	१४	१९	२४	७	६५०	१३३	२१

तालिका क्रमांक--तीन

विभिन्न दूरी अनुसार शिक्षा सुविधानुसार बस्तियों की संख्या

जिले का नाम	प्राथमिक				माध्यमिक			उ.मा.वि.		
	ग्रामीण बस्तियों की कुल संख्या	बस्ती में	एक किलो मीटर के भीतर	एक किलो मीटर से अधिक दूरी पर	बस्ती में	३ कि.मी. की दूरी पर	३ कि.मी. से अधिक दूरी पर	बस्ती में	८ कि.मी. के अन्दर	८ कि.मी. से अधिक दूरी पर
सीहोर	१०८७	६९९	८५८	२२९	११३	५९१	४९६	१४	३६८	७१९

तालिका क्रमांक--चार

स्वीकृत शिक्षक पद एवं कार्यरत शिक्षकों की संख्या

जिले का नाम	प्राथमिक स्कूल कार्यरत				माध्यमिक स्कूल कार्यरत				उ.मा.वि. कार्यरत			
	स्वीकृत पद	समस्त	अ.जा.	अ.जन. जाति	स्वीकृत पद	समस्त	अ.जा.	अ.जन. जाति	स्वीकृत पद	समस्त	अ.जा.	अ.जन. जाति
सीहोर	१०३५	१०३३	१२०	१०	१०४९	१०३६	७५	६	३४२	३२९	८	—

तालिका क्रमांक-पाँच

प्राथमिक विभाग एवं उनके छात्र व शिक्षक संख्या तथा उनका औसत

जिले का नाम	प्राथमिक विभागों की संख्या		प्राथमिक विभागों में दर्ज छात्र संख्या		प्राथमिक विभागों में शिक्षकों की कुल संख्या		प्रति प्राथमिक विभाग में औसत छात्र दर्ज संख्या		प्रति प्राथमिक विभाग औसत शिक्षक संख्या	
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी
जिला-सीहोर	७४१	४२	३८८७२	८५६४	११९६	२६२	५३	२०४	१.६१	६.२३

तालिका क्रमांक--छः

बालिकाओं की दर्ज संख्या एवं उनका दर्ज संख्या अनुपात

जिले का नाम	दर्ज संख्या १ से ५		अनुमानित संख्या ६ से १२		दर्ज संख्या अनुपात	
	कुल	बालिका	कुल	बालिका	कुल	बालिका
जिला-सीहोर	३८८७२	७३६९	७४३७६	३५७५८	५२.३	२०.७

तालिका क्रमांक--सात

स्तर वार दर्ज छात्र संख्या

जिले का नाम	क्षेत्र	प्राथमिक स्तर कक्षा १ से ५		माध्यमिक स्तर कक्षा ६ से ८		उ.मा.वि. स्तर कक्षा ९ से १२		योग		
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	योग
जिला-सीहोर	ग्रामीण	३१५०३	७३६९	८४५०	८४४	१४०९	११७	४१३६२	८३३०	४९६९२
	शहरी	५०१०	३५५४	२३२७	१२७१	१८२३	४९८	९१६०	५३२३	१४४८३
	योग	३६५१३	१०९२३	१०७७७	२११५	३२३२	६१५	५०५२२	१३६५३	६४१७५

विकास खण्डवार जिला विकास-योजना (३०-९-१९८१)

संचालनालय लोक शिक्षण भोपाल के आदेशानुसार ३०-९-१९८१ की स्थिति में १९७८ के शिक्षा सर्वेक्षण के आधार पर प्रत्येक विकास खण्डवार, जिला विकास योजना तैयार की गई थी, जिसके अनुसार प्रत्येक ग्राम एवं उसके सहायक मजरे (हेबीटेशन) वार कलस्टर बनाकर प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों की सुविधा हेतु योजना तैयार की गई थी इस योजना में प्रत्येक मजरे जिनकी दूरी एक किलोमीटर से अधिक है एवं जनसंख्या ३०० से कम है उनके कलस्टर बनाकर एक किलोमीटर के अन्दर प्राथमिक शाला की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

इसी प्रकार जहाँ प्राथमिक विद्यालय है एवं ३ कि. मी. के क्षेत्र में यदि माध्यमिक विद्यालय नहीं है तो ऐसे विद्यालय हेतु प्राथमिक शाला की कक्षा ५ की छात्र संख्या यदि १२ है तो उसके आधार पर कलस्टर बनाकर ३ किलोमीटर के क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। यदि इस योजना का सही रूप में क्रियान्वयन किया जाता तो शालाओं का क्षेत्रीय असन्तुलन दूर करते में यह योजना बहुत ही सहायक सिद्ध होती, परन्तु नवीन विद्यालय खोलने की वस्तु स्थिति कुछ भिन्न है, जिला सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदित एवं चयनीकृत शालाविहीन ग्रामों में ही शालायें खोली जाती हैं।

तालिका—एक

प्राथमिक स्तर

	जिले का योग	सुविधा-प्राप्त	प्रस्तावित	कुल सुविधा प्राप्त एवं प्रस्तावित	शेष असुविधा प्राप्त
मजरे (हेबीटेशन)	१०८७	८५७	५३	९११	१७६
प्रतिशत		७९.२५	४.८७	८४.१२	१५.८८
जनसंख्या	५८२७८८	५४३८७७	११६३४	५५५५११	२७२७७
प्रतिशत	—	९१.०८	१.९९	९३.०७	६.९३

तालिका से स्पष्ट है कि १०८७ (हेबीटेशन) में से ८५८ (हेंबीटेशन) में प्राथमिक विद्यालय की सुविधा प्राप्त है जो कुल हेबीटेशन का ७९.२५ प्रतिशत है एवं ५,८२,७८८ जनसंख्या पर ५,४३,८७७ जनसंख्या पूर्व से ही लाभान्वित है जो कि कुल जनसंख्या का ९१.०८ प्रतिशत है इस योजना में २२६३४ की जनसंख्या हेतु ५३ हेबीटेशन को सुविधा प्रदान करने हेतु प्रस्तावित किया गया है, प्रस्तावित के उपरान्त २७,२७७ की जनसंख्या एवं १७६ हेबीटेशन फिर भी सुविधा से वंचित रह जाते हैं।

तालिका—दो

माध्यमिक स्तर

	जिले का योग	सुविधा प्राप्त	प्रस्तावित	कुल सुविधा प्राप्त एवं प्रस्तावित	शेष असुविधा प्राप्त
मजरे (हेबीटेशन)	१०८०	६८३	११२	७९५	२९२
प्रतिशत	—	६२.६१	१.३०	६३.९१	३६.०९
जनसंख्या	५८२७७८	३८२८१९	८५४५३	४६८२७२	१,१४५०६
प्रतिशत	—	६१.५२	१६.२०	७७.७२	२२.२८

तालिका—दो

माध्यमिक स्तर

इस प्रकार माध्यमिक स्तर की तालिका से स्पष्ट है कि १०८७ (हेबीटेशन) में से ६८३ हेबीटेशन में माध्यमिक विद्यालय की सुविधा प्राप्त है जो कुल हेबीटेशन का ६२·६१ प्रतिशत है एवं ५,८२,७७८ की जनसंख्या पर ३८२८१९ की जनसंख्या इससे पूर्व से ही लाभान्वित है जो कि कुल जनसंख्या का ६१.५२ प्रतिशत है। इस योजना में ८५,४५३ की जनसंख्या हेतु ११२ हेबीटेशम को सुविधा प्रदान करने हेतु प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित के उपरान्त १,१४५०६ की जनसंख्या एवं २९२ (हेबी टेशन) फिर भी सुविधा से वंचित रह जाते हैं।

हमारा उद्देश्य अपनी पुरानी परम्पराओं, अनेक धर्मों राज्यों एवं भाषाओं आदि को बनाए रखते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ना है।

जिले की प्रगति

शिक्षा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी

३०-९-१९८६ की स्थिति में

१ अक्टूबर १९७२ तक सीहोर जिले में भोपाल जिला भी सम्मिलित था अतः पूर्व के वर्षों की शिक्षा सांख्यिकीय से सम्बन्धित आंकड़े न दिये जाकर ७३-७४ एवं ८६-८७ के आकड़ों से कुछ जानकारी की तुलना करने का प्रयास किया गया है। पूर्व के वर्षों में समस्त शिक्षा सांख्यिकीय ३१ मार्च की स्थिति के अनुसार एकत्र की जाती थी किन्तु वर्ष १९७६-७७ से शालाओं की शिक्षा सांख्यिकीय ३० सितम्बर की स्थिति अनुसार एकत्र की जाती है एवं वित्तीय जानकारी ३१ मार्च की स्थिति अनुसार संकलित की जाती हैं।

वर्ष १९७३-७४

स. क्र.	संस्था प्रकार	संस्थाओं की संख्या	कुल छात्र संख्या	अनु. जाति तथा जन. जाति छात्र संख्या	शिक्षकों की संख्या	कुल व्यय
१	२	३	४	५	६	७
१.	उ. मा. वि.	१८	३२३९	२९८	२१९	१६,५५४७०
२.	मा. वि.	१४०	७५०५	६६१	५४५	२६,४१८७५
३.	प्रा. वि.	७६४	४५१०१	७३१०	१३९३	४५,५९२७४

वर्ष १९८६-८७

स. क्र	संस्था प्रकार	संस्थाओं की संख्या	कुल छात्र संख्या	अनु जाति तथा जनजाति छात्र संख्या	शिक्षकों की संख्या	कुल व्यय
१.	उ. मा. वि.	३२	८८९०	१४४१	३८१	६८७५५००
२.	मा. वि.	१७६	२२८५	४४३६	८३५	१३६६५७८०
३.	प्रा. वि.	८७४	९३८२८	१९११२	२२०७	२२३३८७०१

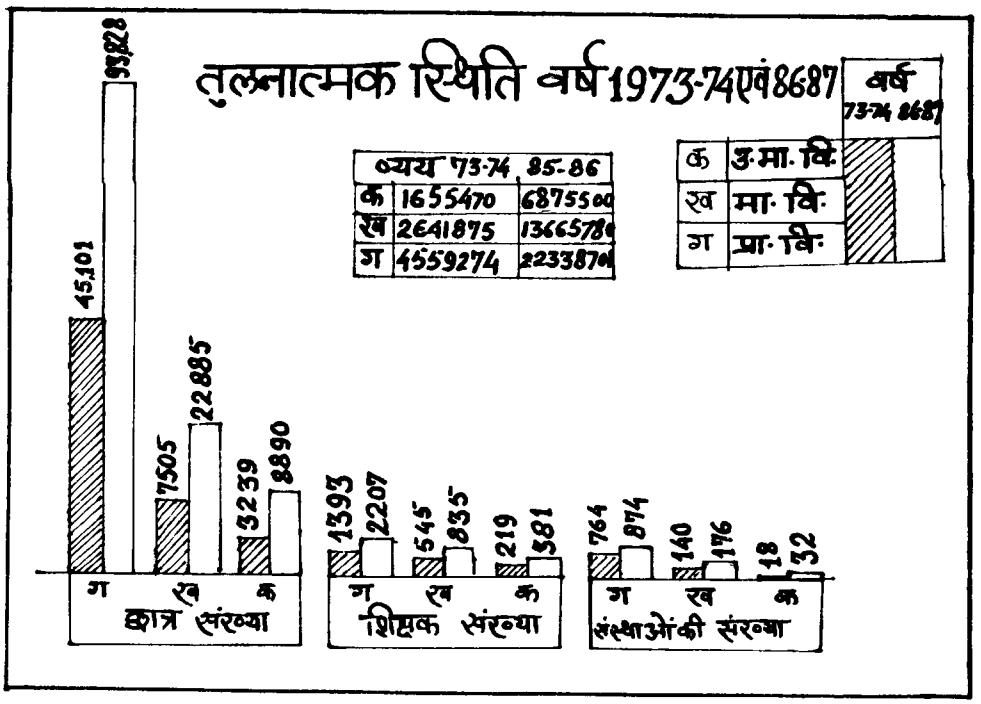

विगत दशक में सीहोर जिला

(छात्र संख्या–शिक्षक संख्या–संस्थाओं की संख्या)

कक्षावार दर्ज छात्र संख्या १९७३-७४ एवं १९८६-८७

वर्ष कक्षा	१९७३-७४ बालक	८६-८७ बालक	७३-७४ बालिका	८६-८७ बालिका	७३-७४ कुल	८६-८७ कुल
१	१११६०	१२१४०	४००८	८२०६	१५१६८	२०३४६
२	९३९३	१२२५५	३११७	७७२४.	१२५१०	१९९७९
३	७२२०	१४१६०	१७१८	७५६९	८९३५	२७७२९
४	३८०६	११५९२	९५२	५१३३	४७५८	१६७२५
५	३०८०	१०६८७	६५०	४३६२	३७३०	१५०४९
६	२३५९	७३७०	५७४	१८२६	२९३३	९१९६
७	१८०२	५२३०	४९१	११९०	२२९३	६४२०
८	१८७६	६१७४	४०३	१०९५	२२७९	७२६९
९	१०३८	३८४३	२३२	६२९	१२७०	४४७२
१०	८०६	३५२८	१४५	३२६	९५१	३८५४
११	८७४	४४७	१४४	११७	१०१८	५६४
१२	—	—	—	—	—	—

कक्षावार दर्ज अनुजाति की छात्र संख्या

वर्ष कक्षा	१९७३–७४ बालक	८६–८७ बालक	७३–७४ बालिका	८६–८७ बालिका	७३-७४ कुल	८६–८७ कुल
१	२८७०	२४१६	४१४	१४११	३२८४	३८२७
२	११२३	२४५३	१२७	१४५५	१.५०	३९०८
३	६०७	२८३२	६५	१४११	६७२	४२४३
४	४०१	२२९३	५१	७०६	४५२	२९९९
५	२४३	२१४८	६४	४१८	३०७	२५६६
६	२६५	१३५५	१९	१७९	२८४	१५३४
७	१४१	९६०	१३	७८	१५८	१०३८
८	१०७	११०६	१०	८४	११७	११९०
९	१०८	६२०	७	१९	११५	६३९
१०	८५	५७१	१	११	८६	५८२
११	७७	४३	३	०१	८०	४४
१२	—	—	—	—	—	—

कक्षावार दर्ज अनु०जन जाति की छात्र संख्या

वर्ष कक्षा	१९७३–७४ बालक	८६–८७ बालक	७३–७४ बालिका	८६–८७ बालिका	७३–७४ कुल	८६–८७ कुल
१	८०९	८८८	८७	४३६	८९६	१३२४
२	१५७	९२३	३१	३८७	१८८	१३१०
३	८५	१०१८	१९	४१२	१०४	१४३०
४	७४	६९१	८	२२४	८२	९१५
५	६८	५०४	७	८६	७५	५९०
६	३१	२६९	७	१७	३८	२८६
७	३०	१८०	६	१०	३६	१९०
८	२३	१९३	५	६	२८	१९९
९	८	९५	१	१	९	९८
१०	४	७३	–	–	४	७३
११	४	५	–	–	४	५
१२	–	–	–	–	–	–

स्वाधीनता के मार्ग पर आगे बढ़ने में जो शिक्षा
बालकों की मदद करती है, वहीं शिक्षा प्राणबाव है।

जिले में प्रबन्धानुसार शिक्षण संस्थायें

संस्था प्रकार	शिक्षाविभाग म० प्र०		केंद्रीय शासन		आ.ज.क वि.		सहायताप्राप्त		मान्यताप्राप्त		स्था. निकाय		अन्य विभाग		कुल		योग
	बाल.	बालि.	बाल.	बालि.	बाल.	बालि.	बाल	बालि.	बाल.	बालि	बाल.	बालि	बाल.	बालि.	बाल.	बालि.	
शासकीय महाविद्यालय	३	१	....	....	....	....	....		....	....	....	....	....	—	३	१	४
कृषि महाविद्यालय	१	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	१	....	१
बुनियादी प्रशिक्षण संस्था	१	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	...	....	....	१	....	१
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था	१	....	....	....	....	....	....	...	....	....	....	....	....	....	१	....	१
उ. मा विद्यालय	१७	१	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	१७	१	१८
हाई स्कूल	१२	२	....	....	....	....	....	....	३	....	....	....	....	....	१५	२	१७
माध्यमिक विद्यालय	१४७	१६	१	....	३	....	१	....	९	....	....		....	....	१६१	१६	१७७
प्राथमिक विद्यालय	७८५	४९	....	....	८	१	१	....	२९	....	१	....	....	....	८२४	५०	८७४
औपचारिकेत्तर शिक्षा केन्द्र	२३२	७५	....	....	....	—	....	....	....	....	....	....	....	....	२३२	७५	३०७
बालवाड़ी पूर्व प्राथमिक विद्यालय	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	७१ संयुक्त		७१	...	७१
संस्कृत विद्यालय	....	....	....	....	—	....	१	....	....	....	....	....	....	....	१	....	१
प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र	....	—	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	३६०	३०५	३६०	३०५	६६५
तकनिकी उ मा. वि.	१	....	....	....	....	...	....	....	....	....	....	....	....	....	१	....	१
तकनिकी माध्य. विद्यालय	१	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	१	....	१

तहसील एवं विकास खण्ड वार प्रबन्धानुसार संस्थायें:—

क्रमांक	विकासखंड का नाम...	पूर्वप्राथ		औ.शि.कें		प्रो. शि. कें.		प्राथमिक		माध्यमिक		हाईस्कूल		उ. मा. वि		तक. मा.वि. एवं उ मा वि		संस्कृत वि.		बी.टी.आई.	आई.टी आई	महा बि.
		शा.	अशा	शा.	अशा	शा.	अशा.	शा.	अशा	शा	अशा.	शा.	अशा	शा	अशा.	शा.	अशा.	शा.	अशा	शास.	शास.	शास.
१	सीहोर	अप्राप्त		८२		११८	....	२४८	२०	५०	०६	३	२	६	....	१	....	....	....	१	१	३
२	आष्टा	"		८३		१८७	....	२२४	५	३९	३	२	१	५	....	....	....	....	....	....	....	१
३	इछावर	"		५७		६०	....	१०९	१	२५	१	४	....	२	....	....	....	....	....	....	....	१
४	नसरूल्लागंज	"		४१		१५०	....	१३९	२	२७	....	१	....	१	....	....	....	....	....	....	....	....
५	बुधनी	"		४४		१५०	....	१२२	४	२६	....	२	....	४	-	....	....	....	१	....	....	....
	योग	७१		३०७		६६५	....	८४२	३२	१६७	१०	१४	३	१८	....	१	....	....	१	१	१	५

जिले में स्तरवा छात्र संख्या

क्रमांक	संस्था प्रकार	कुल दर्ज संख्या बालक	बालिका	योग	दर्ज संख्या में सम्मिलित निम्न छात्र छात्रायें अनुसूचित जाति बालक	बालिका	योग	जनजाति बालक	बालिका	योग
१.	शास. महाविद्यालय	१२९२	३६९	१६६१	१५३	१३	१६६	६	२	८
२.	कृषि महाविद्यालय	२५२	....	२५२	२१	....	२१	१७	....	१७
३.	बुनियादी प्रशि.संस्था	७१	५	७६	....	....	....	....	....	....
४.	औद्यो प्रशि. संस्था	१०६	२	१०८	२३	....	२३	१	....	१
५.	उ मा विद्यालय	६४८९	८०५	७२९४	१०४८	२६	१०७४	१४४	३	१४७
६.	हाई स्कूल	१३२९	२६७	१५९६	१८६	५	१९१	२९	—	२९
७.	तकनीकि उ मा वि.	२४	....	२४	....	....	....	....	....	....
८.	तकनीकि मा. वि	७७	....	७७	११	....	११	....	....	....
९.	माध्यमिक विद्यालय	१८७७४	४१११	२२८८५	३४२१	३४१	३७६२	६४२	३२	६७४
१०.	प्राथमिक विद्यालय	६०८३४	३२९९४	९ ८२८	१२१४२	५४०१	१७५४३	४०२४	१५५५	५५६९
११.	औ. शिक्षा. केन्द्र	७८९३	७९२	८६८५	१२१६	१८०	१३९६	९२९	१६७	१०९६
१२.	पूर्व प्राथमिक (बालवाड़ा)			— अप्राप्त —						
१३	संस्कृत विद्यालय	४२	....	४२	....	....	....	....	....	....
१४.	प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र	९९१५	९८२३	१९७३८	३०१२	२३१५	५३२७	१६७६	९३४	१६१०
१५.	केन्द्रीय विद्यालय	८९	४५	१३४	६	....	६	४	....	४

जिले में स्तरवार टीचिंग स्टॉफ संख्या

क्रमांक	संस्था प्रकार	कुल शिक्षक प्रशिक्षित पुरुष	प्रशिक्षित महिला	अप्रशिक्षित पुरुष	अप्रशिक्षित महिला	कुल में सम्मिलित निम्न शिक्षक अनुसूचित जाति प्रशिक्षित पुरुष	प्रशिक्षित महिला	अप्रिशिक्षित पुरुष	अप्रिशिक्षित महिला	अनुसूचित जन जाति प्रशिक्षित पुरुष	प्रशिक्षित महिला	अप्रशिक्षित पुरुष	अप्रशिक्षित महिला
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
१.	शा महाविद्यालय	४८	२८	....	....	२	१	....	....	....	१	....	....
२.	कृषि महाविद्यालय	२९	०१	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
३.	बुनियादी प्रशिक्षण संस्था	१०	०१	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
४.	औद्योगिक प्र. संस्था	६	०१	....	....	१	....	....	....	—	....	....	....
५.	उ मा. विद्यालय	२३४	३२	२२	२	६	१	....	....	२	....	....	....
६.	हाईस्कूल	४०	२०	२५	४	....	....	....	....	....	....	....	....
७.	माध्य. विद्यालय	६६३	१०९	५४	९	६६	२	८	२	२	....	२	....
८.	प्राथमिक विद्यालय	१२४४	२०८	५६६	१८९	२०६	२	७९	३	२९	....	२६	२
९	औ.शिक्षा केन्द्र	२३२	७५	...	....								
१०	बालवाड़ी पूर्व प्राथ.	अप्राप्त	....	....	....								
११.	संस्कृत विद्यालय	३	....	....	....								
१२.	प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र	३६०	३०५	....	....								
१३.	तकनीकि उ मा.वि.	१६	....	....	....								
१४.	तकनीकि मा वि.	८	....	....	....								
१५.	केन्द्रीय विद्यालय	१	८	....	....								

नोट:—शालेय शिक्षा के अतिरिक्त शेष जानकारी में प्रशिक्षित अप्रशिक्षित न पढ़ा जाकर केवल कार्यरत् पुरुष महिला पढ़ा जावें।

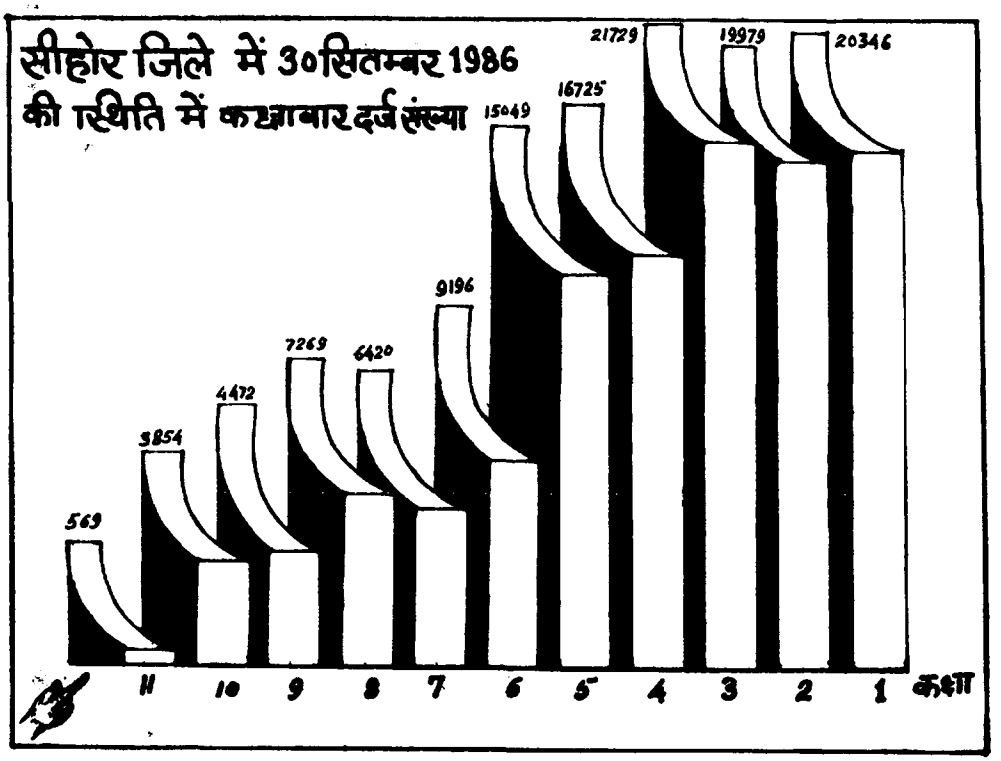
सीहोर जिले में 30 सितम्बर 1986
की स्थिति में कक्षावार दर्ज संख्या
569
3854
4472
7269
6420
9196
15049
16725
21729
19979
20346
11
10
9
8
7
6
5
4
3
2
1
कक्षा

जिले की शिक्षण संस्थाओं में कक्षावार दर्ज छात्र संख्या

क्रमांक	शिक्षा प्रकार	कुल योग			कुल योग में सम्मिलित निम्न छात्र–छात्रायें					
					अनु.जाति			जनजाति		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
१.	बी०ए०	४६७	२७२	७३९	८४	९	९३	२	१	३
२.	बी०कॉम०	४०१	३	४०४	४४	....	४४	३	....	३
३.	बी०एस०सी०	२१२	३७	२४९	८	....	८	१	....	१
४.	एम०ए०	४५	३९	८४	७	१	८	....	१	१
५.	एम०कॉम	४९	३	५२	५	....	५	....	....	....
६.	एम०एस०सी०	३३	१५	४८	१	३	४	....	....	....
७.	एल०एल०बी०	७५	....	७५	४	....	४	....	....	....
८.	बी०एस०सी० कृषि	२०७	....	२०७	२१	....	२१	१७	....	१७
९.	एम०एस०सी०कृषि	४५	....	४५	....	....	....	....	....	....
१०.	बी०टी०आई	७१	५	७६	....	..	....	....	....	....
११.	आई०टी०आई०	१०६	२	१०८	२३	....	२३	१	....	१
१२.	तकनिकी उ.मा वि.	२४	....	२४	....	....	....	....	....	....
१३.	„ माध्यमिक वि	७७	....	७७	११	....	११	....	....	....
१४.	संस्कृत विद्यालय	४२	....	४२	....	....	....	....	....	....
१५.	औपचारिकेत्तर शि. शिक्षा केन्द्र	७८९३	७९२	८६८५	१२१६	१८०	१३९६	९२९	१६७	१०९६
१६.	प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र	९९१५	९८२३	१९७३८	३०१२	२३१५	५३२७	१६७६	९३४	२६१०
१७.	बालवाड़ा पूर्व प्रा.	अप्राप्त								
१८.	केन्द्रीय विद्यालय	८९	४५	१३४	६	....	६	४	....	४
शालेय शिक्षा–										
१९.	कक्षा एक	१२१४०	८२०६	२०३४६	२४१६	१४११	३८२७	८८८	४३६	१३२४
२०.	,, दो	१२२५१	७७२४	१९९७९	२४५३	१४५५	३९०८	९२३	३८७	१३१०
२१.	,, तीन	१४१६०	७५६९	२१७२९	२८३२	१४११	४२४३	१०१८	४१२	१४३०
२२.	,, चार	११५९२	५१३३	१६७२५	२२९३	७०६	२९९९	६९१	२२४	९१५
२३.	,, पाँच	१०६८७	४३६२	१५०४९	२१४८	४१८	२५६६	५०४	८६	५९०
२४.	,, छः	७३७०	१८२६	९१९६	१३५५	१७९	१५३४	२६९	१७	२८६
२५.	,, सात	५२३०	११९०	६४२०	९६०	७८	१०३८	१८०	१०	१९०
२६.	,, आठ	६१७४	१०९५	७२६९	११०६	८४	११९०	१९३	६	१९९
२७.	,, नौ	३८४३	६२९	४४७२	६२०	१९	६३९	९५	३	९८
२८.	,, दस	३५२८	३२६	३८५४	५७१	११	५८२	७३	....	७३
२९.	,, ग्यारह	४४७	११७	५६४	४३	१	४४	५	....	५
३०.	,, बारहवाँ	....	....	....	....	....	....	....	....	....

जिले में शालेय स्तर के शिक्षा विभागीय भवनों की संख्या

शाला प्रकार	संस्थाओं की संख्या.....	शासकीय या स्वयं के भवन पक्के	कच्चे	किराये के भवन पक्के	कच्चे	भवन विहीन
१	२	३		४	५	६
प्राथमिक	८३४	६२९	....	११	....	१९४
माध्यमिक	१६३	१५१	....	१२	....	....
हाईस्कूल	१४	१४	....	....	....	....
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	१८	१८	....	..	....	....

शिक्षा विभाग	पी०डब्ल्यू०डी०	किराये के	जनपद	भवन विहीन	योग
७	८	९	१०	११	१२
प्राथमिक ५८६	४३	११	....	१९४	८३४
माध्यमिक ११८	३३	१२	....		१६३
हाई स्कूल ८	६	....	....	....	१४
उ. मा. वि. ९	८	---	१	....	१८

जिले में शालेय स्तर के शाला जाने योग्य बालक-बालिकाओं की प्रोजेक्टेट जनसंख्या पर दर्ज संख्या का प्रतिशत

आयु समूह ६ से ११

कुल जनसंख्या			दर्ज संख्या			दर्ज संख्या का प्रतिशत		
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
६५०९२	५४६७७	११९७६९	६०८३४	३२९९४	९३८२८	९३·४	६०·३	७८·३
			अनुसूचित जाति					
१२९८२	१११२५	२४१०७	१२१४२	५४०१	१७५४३	९४·०	४९·०	७२·८
			जनजाति					
५३४८	४९८४	१०,३३२	४०२४	१५४५	५५६९	७५·२	४०·०	५४·०

आयु समूह ११ से १४

कुल जनसंख्या			दर्ज संख्या			दर्ज संख्या का प्रतिशत		
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
३०८२९	२८६६३	५९४६२	१८७७४	४१११	२२८८५	६०·९	१४·३	३८·५
			अनुसूचित जाति					
६२७२	५८२६	१२०९८	३४२१	३४१	३७६२	५४·५	५·९	३१·०
			जनजाति					
२८१०	२६१०	५४२०	६४२	३२	६७४	२२·८	१·२	१२·४

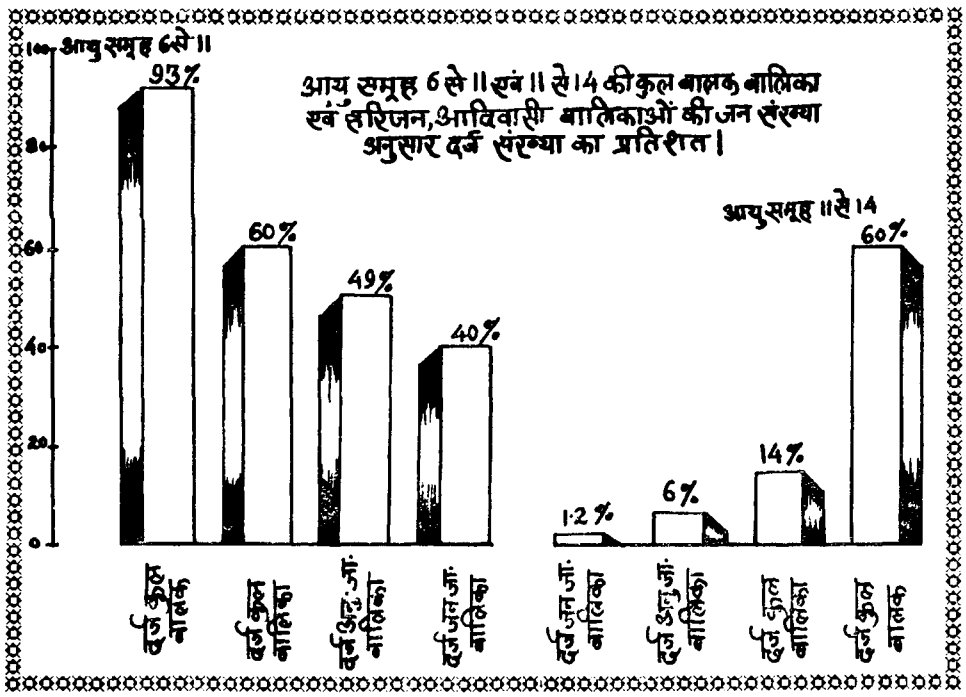

हरिजन, आदिवासी बालिकाओं का दर्ज प्रतिशत सीहोर--जिला

(३० सितम्बर ८६ की स्थिति में)

जिले में प्रबन्धानुसार शालाओं में दर्ज छात्र संख्या बालक एवं बालिका संस्थाओं में

शाला का प्रकार	बालक संस्थाओं में:— शिक्षा विभाग बालक	बालिका	आ.जा.क.विभाग बालक	बालिका	सहायता प्राप्त बालक	बालिका	मान्यता प्राप्त बा.	बालि	अन्य विभाग बा	ब.लि.	बालिका संस्थाओं में:— शिक्षा विभाग बालक	बालिका	आ जा क.वि बा.	बालि.	सहायता प्राप्त बा	बालि.	मान्यता प्राप्त बा.	बालि	अन्य विभाग बा.	बालि.
उ. मा. बि.	६४८९	३६०	....	....	....	....	....	....	....	....	....	४४५	....	....	....	....	....	....	....	....
हाई स्कूल	१२२८	७७	....	....	....	....	१०१	३९	....	....	....	१५१	....	....	....	....	....	....	....	....
माध्य. विद्या.	१७३४४	२००३	१९९	१६	२०	१०	६३८	३४०	....	....	८११	२०५३	....	....	....	....	....	....	....	....
प्राथ. विद्या.	५६४०७	२२६६१	३३४	९१	२०४	१४८	५५४	१८३३	९३	६६	१५२३	७२४३	....	५५	....	....	....	....	....	....
त उ मा.वि.	२४	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
तक. मा. वि.	७७	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
संस्कृत विद्या.	....	....	....	....	....	....	४२	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....

जिले में विभागीय शिक्षक संख्या अनुसार शालायें

वर्ष १९८० (३०-९-८० की स्थिति अनुसार)

कार्यरत शिक्षक	प्राथमिक		माध्यमिक		उ०मा०वि०		हाई स्कूल	
	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण
एक शिक्षिकायें	....	६२२	....	....	....	....	....	....
२ ,,	४	२४	....	....	....	....	....	....
३ ,,	४	....	....	७	....	....	....	....
४ से ५ ,,	६	४२	७	५८	....	....	....	....
६ से ७ ,,	७	३९	४	४६	१	१	....	....
८ से ९ ,,	१	२०	७	११	१	२	....	....
१० से ११	१	१०	२	२	१	३	....	....
१२ से १५	....	१	२	५	१	३	....	....
१५ से २०	....	....	....	....	१	४	....	....
२१ से ३०	....	....	....	....	१	२	....	....
३१ से ४०	....	....	....	....	....	....	....	....
४० से अधिक	....	....	....	....	....	....	....	....
योग :	२३	७५८	२२	१२९	६	१५	....	....

वर्ष १९८६ (३०-९-८६ की स्थिति अनुसार)

कार्यरत शिक्षक	प्राथमिक		माध्यमिक		उ०मा०वि०		हाई स्कूल	
	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण
एक शिक्षकीय	....	२८४	....	....	....	....	....	....
२	७	२९८	....	१३	....	....	....	१
३	११	१००	....	२८	....	....	....	३
४ से ५	१६	७८	७	७२	....	....	१	५
६ से ७	१४	९	१५	१३	१	२	१	२
८ से ९	५	५	६	३	....	३	....	....
१० से ११	३	१	१	....	....	१	....	....
१२ से १५	२	१	१	....	४	३	१	....
१५ से २०	....	....	४	....	१	....	....	....
२१ से ३०	....	....	....	....	१	....	....	....
३१ से ४०	....	....	....	....	१	-	....	....
४० से अधिक	....	....	....	....	१	....	....	....
योग :	५८	७७६	३४	१२९	९	९	३	११

जिले में शिक्षा विभागीय दर्ज छात्र संख्या अनुसार, शालायें

वर्ष १९८० (३०-९-१९८० स्थिति अनुसार)

दर्ज संख्या समूह	प्राथमिक शालायें		माध्यमिक शालायें		उ. माध्यमिक विद्यालय		हाई स्कूल	
	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामी
२० से कम	....	११५	....	....	....	....	....	....
२१ से ५०	२	३८९	....	१०	....	१	....	....
५१ से ७५	२	१४७	....	३	....	३	....	....
७६ से १००	६	५२	२	३२	१	१	....	....
१०१ से १५०	६	६२	१२	२३	....	२	....	....
१५१ से २००	२	६	८	३२	....	५	....	....
२०१ से ३००	१२	१४	....	१८	१	२	....	....
३०१ से ४००	३	२	....	५	१	१	....	....
४०० से ५००	....	२	--	६	....	....	....	....
५०० से १०००	....	....	....	....	३	....	....	....
१००० से अधिक	....	....	....	.. .	....	....	....	....
योग	३३	७८९	२२	१२९	६	१५	....	....

वर्ष १९८६ (३०-९-१९८६ की स्थिति अनुसार)

दर्ज संख्या समूह	प्राथमिक शालायें		माध्यमिक शालायें		उ. माध्यमिक विद्यालय		हाई स्कूल	
	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रानीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण
२० से कम	....	५	१	७	....	....	....	....
२१ से ५०	३	१६३	१	१७	....	....	१	२
५१ से ७५	३	२४१	२	२२	....	....	....	४
७६ से १००	५	१४०	५	२४	....	....	....	२
१०१ से १५०	१२	१२४	९	२८	....	१	....	२
१५१ से २००	६	५२	५	१८	....	....	२	१
२०१ से ३००	२०	४३	७	७	२	५	....	....
३०१ से ४००	७	३	२	४	२	२	....	....
४०० से ५००	१	५	२	२	२	....	....	....
५०० से १०००	१	....	....	....	३	१	....	....
१००० से अधिक								
योग	५८	७७६	३४	१२९	९	९	३	११

जिले में महिला शिक्षा कि स्थिति :

पूर्व में बताये गये संख्यात्मक आंकड़ों से स्पष्ट होता हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं की शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है जिले की कुल जनसंख्या में ४८% महिलायें है जिनकी की साक्षरता दर ९.७७ है जो कि बहुत कम है फिर भी महिलाओं में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने उन्हें आत्म निर्भर बनाने पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़ा करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए शासन हमेशा प्रयत्नशील रहा है, पिछले कुछ वर्षो से महिला शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, इसके लिये शालेय शिक्षा के अन्तगंत छात्र वृद्धि अभियान योजना, पढ़ों कमाओं योजना, छात्राओं को निःशुल्क गणवेश, मध्यान्ह आहार, एवं बुक बैंक योजनाओं के माध्यम से छात्राओं की भर्ती हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं जिले में महिला शिक्षा के विकास की दृष्टि से शालेय शिक्षा अन्तर्गत महिला शिक्षा की स्थिति निम्नानुसार है ।

बालिका शिक्षण संस्थाओं की संख्या

प्राथमिक	....	५०
माध्यमिक	....	१६
उ०मा०वि०	....	१
हाई स्कूल	....	२
औ०शि० केन्द्र	....	७५

शिक्षण संस्थाओं में महिला शिक्षिकाओं की संख्या

प्राथमिक	....	३९७
माध्यमिक	....	११८
उ०मा०वि०	....	३४
हाई स्कूल	....	२४
औ०शि० केन्द्र	....	७५

संस्थाओं में कक्षावार दर्ज बालिकाऐं

कक्षा का नाम	कुल बालिकायें	कुल बालिकाओं में अनु०जाति बालिका	कुल बालिकाओं में जनजाति बालिका
औ०शि० केन्द्र	७९२	१८०	१६७
पहली	८२०६	१४११	४३६
दूसरी	७७२४	१४५५	३८७
तीसरी	७५६९	१४११	४१२
चौथी	५१३३	७०६	२२४
पाँचवी	४३६२	४१८	८६
छठीं	१८२६	१७९	१७
सातवीं	११९०	७८	१०
आठवीं	१०९५	८४	६
नवीं	६२९	१९	०३
दसवीं	३२६	११	....
ग्यारहवीं	११७	१	....
बारहवीं	....	....	....

औपचारिकेत्तर शिक्षा योजना

स्वतन्त्रता के पश्चात् शिक्षा के लोक व्यापीकरण के लिए योजनाबद्ध बहुमुखी प्रयास किये गये, अनेक शालायें खोली गई। कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तकें, छात्रवृत्तियाँ, गणवेश तथा छात्रावासों आदि की बिना मूल्य व्यवस्था की गई, शिक्षा निशुल्क कर दी गई तथा अभिभावकों की समझाने व प्रेरित करने के लिए सतत् रूप से प्रचार और जन सम्पर्क के कार्यक्रम चलते रहे, फिर भी देखा गया कि जिस स्थान पर पाठशाला खोली गई, वहाँ के ६ से १४ आयु वर्ग के सभी बच्चे पाठशाला नहीं आए। जिन छात्रों ने पाठशाला में प्रवेश लिया उनमें से लगभग आधे छात्र कक्षा ५ वीं उत्तीर्ण करने से पूर्व ही पाठशाला छोड़ गये।

प्रश्न उठा कि इतनी सुविधाएँ उपलब्ध होने के बाद भी ६ से १४ आयु वर्ग के सभी छात्र पाठशाला में प्रवेश क्यों नहीं लेते ? प्रवेश लेने के बाद भी बहुत बड़ी संख्या में छात्र बीच में ही पाठशाला क्यों छोड़ देते हैं।

कारणों का पता लगाने पर ज्ञात हुआ कि समाज में मोटे तौर पर दो प्रकार के बच्चे हैं। एक प्रकार के वे बच्चे जो सम्पन्न परिवारों के है, इन बच्चों के पास सभी प्रकार के साधन होते हैं तथा अपने घर पर इन बच्चों के लिए कोई काम नहीं रहता अतः ६ वर्ष की आयु से पूर्व ही इस प्रकार के बच्चों को पाठशाला में भर्ती करा दिया जाता है। दूसरे प्रकार के वे बच्चे हैं जो कमजोर परिवारों के हैं, इन बच्चों के माँ–बाप स्वतः प्रातः से सायं तक श्रम या मजदूरी में लगे रहते हैं तथा अपने काम में अपने बच्चों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहायता लेते रहते हैं। यह सहायता आवश्यक और अनिवार्य भी है। साथ ही इसी कमजोर वर्ग में ऐसे बच्चे भी होते हैं जो अपनी रोटी अर्जित करने के लिए स्वयं नौकरी या मजदूरी करते हैं इन बच्चों को पाठशाला का समय भी अनुकूल नहीं होता है। क्योंकि जब पाठशाला में अध्यापन होता है, तब इन वर्गों के बच्चे अपने-अपने काम काज में व्यस्त रहते हैं और जब इन बच्चों को काम से छुट्टी मिलती है तब पाठशाला में भी छुट्टी हो जाती है। अतः इसी प्रकार के कामकाजी बच्चों को शिक्षित करने के लिए ही शिक्षा विभाग द्वारा फरवरी १९७५ से यह योजना प्रारम्भ की है।

उद्देश्य—

(१) ९ से १४ आयु वर्ग के काम काजी शाला अप्रवेशी एवं शाला त्यागी बालक–बालिकाओं को औपचारिकेत्तर विद्यालयों के स्तर की प्रारम्भिक शिक्षा इस प्रकार सुलभ कराना ताकि उनके काम में बाधा उत्पन्न न हो।

(२) शाला अप्रवेशी एवं शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मूलधारा में लाना।

(३) प्रारंभिक शिक्षा के लोक व्यापीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए औपचारिकेत्तर शिक्षा के द्वारा पूरक व्यवस्था करना।

पाठ्यक्रम

(१) शासन द्वारा प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के लिए स्वीकृत पाठ्यक्रम को इस प्रकार संशोधित करके औपचारिकेत्तर शिक्षा केन्द्रों के लिए स्वीकार किया गया है ताकि स्तर यथावत् बना रहे।

(२) राज्य शिक्षा संस्थान मध्यप्रदेश द्वारा औपचारिकेत्तर शिक्षा के लिए संघनित प्राथमिक स्तर के पाठ्यक्रम में अठारह इकाइयाँ हैं तथा पूर्व माध्यमिक स्तर के केन्द्रों के पाठ्यक्रम में भी अठारह ईकाइयाँ है।

(३) प्राथमिक स्तर के तथा पूर्व माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमों में से पुनरावृत्ति वाले अंशों को कम किया गया है, किन्तु कक्षा पांच एवं कक्षा आठ के पाठ्यक्रम को यथावत् लेकर ईकाइयों में

विभक्त किया गया है। ताकि केन्द्रों के छात्र कक्षा पाँच एवं आठ की उसी परीक्षा में बैठ सकें जिसमें औपचारिक विद्यालयों के छात्र बैठते हैं।

(४) केन्द्रों में पाठ्यक्रमों की विशेषता यह है कि वे शिक्षक संदेशिका का भी काम करते हैं और विषय-वस्तु को पर्यावरण से जोड़कर पढ़ने की स्वतन्त्रता देते हैं।

अवधि—

(१) प्राथमिक स्तर के पाठ्यक्रम को औसत क्षमता वाला छात्र सामान्यत: दो शैक्षिक सत्रों में पूरा कर सकता है।

(२) मेधावी छात्र अपनी प्रतिभा के अनुसार प्राथमिक स्तर के पाठ्यक्रम की दो शैक्षिक सत्रों से भी कम अवधि में पूरा करके कक्षा पांचवीं की परीक्षा में बैठ सकता है।

(३) जो छात्र दो शैक्षिक सत्रों में अपनी कक्षा ५ तक का पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर पाते वे केन्द्रों में अध्ययनरत् उस अवधि तक रहते हैं जब तक कि वे कक्षा ५ का पाठ्यक्रम पूरा न कर लें।

(४) कक्षा आठ की परीक्षा में बैठने के लिये कक्षा पाँच की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् तीन शैक्षिक सत्र लगते हैं।

संगठन अंग—

(१) **छात्र**—औपचारिकेत्तर शिक्षा योजना में छात्र का तात्पर्य उस बालक से है जो अपने जीविकोपार्जन सम्बन्धी कार्यों की करते हुए शिक्षा केन्द्रों पर अध्ययनरत है।

(२) **शिक्षक**—शिक्षक से तात्पर्य केन्द्र प्रभारी से है जो इस योजना के अन्तर्गत शिक्षण कार्य करता है।

(३) **समय**—इस योजना के अन्तर्गत शिक्षण हेतु कम से कम दो घण्टे का समय निर्धारित किया गया है। समय का निर्धारण छात्रों की सुविधानुसार प्रात:, सायं रात्रि में हो सकता है।

(४) केन्द्र से तात्पर्य उस पाठशाला से है जहाँ औपचारिकेत्तर शिक्षा योजना के अन्तर्गत छात्र पढ़ते हैं।

(५) **परीक्षा** - औपचारिकेत्तर शिक्षा की परीक्षा से आशय कक्षा ५ एवं ८ की जिला एवं संभाग स्तरीय परीक्षा से है।

प्रशासकीय व्यवस्था—

प्रत्येक जिला शिक्षा कार्यालय स्तर पर औपचारिकेतर शिक्षा के लिए एक स्वतन्त्र कक्ष स्थापित है, इस कार्य हेतु सीहोर जिला स्तर पर निम्न स्टॉफ स्वीकृत है :—

		स्वीकृत पद	कार्यरत् पद
(१)	समन्वयक	१	१
(२)	पर्यवेक्षक	२	२
(३)	ग्राम सेवक	१	१
(४)	ग्राम सेविका	१	१

केन्द्रों की संख्या

सीहोर जिले में ओ०शि० हेतु २४७ प्राथमिक स्तर एवं ६० माध्यमिक स्तर के केन्द्र संचालित है जिनमें ७८९३ बालक एवं ७९२ बालिका कुल ८६८५ बालक-बालिकाऐं अध्ययनरत् है।

पढ़ों और कमाओ योजना

पढ़ो और कमाओ योजना ऐसे पिछड़े व कमजोर वर्ग के बालकों के लिये है जो अपने विश्राम के समय या शाला समय में ही श्रम करके पढ़ने के साथ-साथ परिवार के लिये धनोपार्जन कर सके । यह योजना आर्थिक रूप से पिछड़े व कमजोर वर्ग के बहुसंख्यक बालकों को स्वावलम्बी बनाने में और उन्हें शालाओं में आने के लिए आकर्षित करती है ।

योजना के उद्देश्य —

(१) प्राथमिक शिक्षा के अनेक व्यापीकरण के लक्ष्य को पूरा करना ।
(२) विद्यालयों में क्षति एवं अवरोध को कम करना ।
(३) छात्रों को अपनी शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति में आर्थिक स्वावलम्बन प्रदान करना ।
(४) अवकाश के समय का सदुपयोग करना ।
(५) छात्रों को कार्य एवं व्यवसाय की ओर उन्मुख करना ।
(६) पढ़ने वालों को काम एवं काम करने वाले को अवसर प्रदान करना ।

योजना का कार्यक्षेत्र एवं कार्यक्रम

सीहोर जिले में इस योजना का कार्य क्षेत्र उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय एवं कतिपय औ०शिक्षा केन्द्र है । जिनमें वर्तमान में निम्न कार्य चल रहे है :—

(१) टाटपट्टी का निर्माण,
(२) चाक का निर्माण,
(३) फर्नीचर (डेस्क, टेबिल) का निर्माण,
(४) गणवेश का निर्माण ।

व्यवस्था

(१) यह योजना म०प्र० खादी ग्रामोद्योग परिषद् के सहयोग से प्रारम्भ की गई है ।
(२) "पढ़ों और कमाओ योजना" के केन्द्रों को कच्चा माल और पूँजी का प्रदाय परिषद् द्वारा किया जाता है ।
(३) इन केन्द्रों पर निर्मित होने वाला सामान इस कार्यालय द्वारा प्राप्त किया जाता है ।
(४) कार्यालय की रसीद के आधार पर लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा परिषद् को भुगतान किया जाता है ।

कार्य का समय

इस योजना में छात्र-छात्रायें अपने विद्यालयों में उद्योग के घण्टे में कार्य करते हैं, (२) विश्राम के समय में कार्य करते हैं । (३, छुट्टियों के दिनों में कार्य करते हैं ।

पढ़ो कमाओ योजनान्तर्गत कार्यरत विद्यालय

इस योजनान्तर्गत निम्न विद्यालय एवं औ.शि. केन्द्र कार्यरत् है, जहाँ नीचे दर्शाये अनुसार कार्य सम्पादन होता है—

(१)	बुनियादी प्रशिक्षण संस्था—सीहोर	टाटपट्टी एवं फर्नीचर निर्माण
(२)	बालक उ०मा०वि० क्र० १ सीहोर	,, ,, ,,
(३)	माध्यमिक शाला बढ़ियाखेड़ी सीहोर	टाटपट्टी निर्माण
(४)	,, ,, भौरा	,, ,,
(५)	,, ,, बुधवारा आष्टा	,, ,,
(६)	,, ,, निपानियाँ	,, ,,
(७)	,, ,, इछावर	,, ,,
(८)	,, ,, भाऊखेड़ी	,, ,,

(९)	शा०कन्या उ०मा०वि० सीहोर	गणवेश, चाक निर्माण	
(१०)	,, कन्या ,, आष्टा	गणवेश	निर्माण
(११)	,, कन्या ,, इछावर	,,	,,
(१२)	औ.शि.केन्द्र बड़ियाखेड़ी सीहोर	,,	,,
(१३)	,, ,, टैगोर, सीहोर		
(१४)	,, ,, आमाझिर (सीहोर)	,,	,,
(१५)	,, ,, श्यामपुर	,,	,,
(१६)	,, ,, बड़ा बाजार, आष्टा	,,	,,
(१७)	,, ,, सेवदा (जावर)	,,	,,
(१८)	,, ,, नसरूल्लागंज	,,	,,
(१९)	,, ,, शाहगंज	,,	,,
(२०)	,, ,, गाड़ी अड्डा, सीहोर	,,	,,
(२१)	,, ,, जुम्मनपुरा, आष्टा	,,	,,

छात्र वृत्ति योजना :—

इस योजनान्तर्गत जिले में आदिम जाति हरिजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं जन जाति के कल्याण के लिये राज्य छात्रवृत्ति एवं शिष्य वृत्ति योजना संचालित है। इस योजना के अन्तर्गत कक्षा ६ से ११ तक के हरिजन आदिवासी तथा पिछड़े वर्गों के छात्रो को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, जो इस प्रकार है :—

वर्ष १९८५-८६

क्रमांक	जाति	पूर्व पध्दति से प्राप्त आबंटन लाख रुपये में	पूर्व पध्दति से व्यय लाख रुपये में	पूर्व पध्दति से छात्र छात्राओं की संख्या	बैंक पध्दति से प्राप्त आबंटन लाख रुपये में	बैंक पध्दति से व्यय लाख रुपये में	बैंक पध्दति से छात्र छात्राओं की संख्या
	राज्य छात्रवृत्ति योजना						
१.	हरिजन	७·८०	७·८०	६९७५	७.८०	३ ४१	१८६९
२.	आदिवासी	१·२५	१·२५	८३०	१·९६	०·६६	२३१
३.	विमुक्त	०·०९	०·०९	८०	०·४५	०·०२	२६
	शिष्य वृत्ति योजना						
१.	हरिजन	१·०७	१·०७	२००	१·०७	०·७६	१३०
२.	आदिवासी	१·८०	१·८०	२०३	१·३०	०·५१	८०

विकलांग बालक-बालिकाओं हेतु छात्रवृत्ति योजना

पंचायत विभाग द्वारा उक्त छात्र वृत्तियाँ प्रदान की जाती है। इस योजनान्तर्गत जिले की शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत् विकलांग बालक-बालिकाओं को छात्र वृत्तियाँ स्वीकृत कर लाभान्वित किया गया है, इस योजनान्तर्गत प्रायमरी कक्षा के छात्र-छात्राओं को रुपये २५/- प्रतिमाह तथा मा०वि० के छात्र-छात्राओं को रुपये ३५/- प्रतिमाह एवं स्नात्तकोत्तर कक्षाओं के छात्र छात्राओं को ६० से ७० रुपये प्रतिमाह छात्र वृतियाँ दी गई है।

वर्ष १९८५-८६ में प्रदान की गई उक्त छात्र वृत्तियाँ निम्नानुसार है :—

वर्ष	विकलांग छात्र-छात्रायें	दी गई छात्रवृत्ति लाख रुपये में
१९८५-८६	५२१	०·८५

१०+२+३ शिक्षा प्रणाली

जिले में वर्ष १९८४-८५ से हाई स्कूल स्तर की कक्षायें १०+२+३ शिक्षा प्रणाली अन्तर्गत प्रारम्भ की गई, वर्ष १९८५-८६ में पहली बार हाई स्कूल की परीक्षा ली गई हैं। इस वर्ष शिक्षा सत्र जुलाई १९८६ से +२ स्तर की कक्षाऐं भी प्रारम्भ की गई हैं। जिसके अन्तर्गत कक्षा १०वीं तक संचालित विद्यालयों को हाई स्कूल एवं कक्षा १२वीं तक संचालित विद्यालयों को उ०मा० विद्यालय घोषित किया गया है। जिसके तहत वर्ष १९८६ की ११वीं बोर्ड परीक्षा में जो विद्यार्थी बैठे थे एवं अनुत्तीर्ण रहे हैं उन्हें इस वर्ष १९८७ में स्वाध्यायी छात्र के रूप में परीक्षा में बैठना होगा। ऐसे अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को उ०मा०वि० में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश नहीं दिया गया है, केवल कक्षा १०वीं पास विद्यार्थी को ही प्रवेश दिया गया है। इसके साथ ही उन्नत विद्यालयों में उपकरणों प्रयोग शालाओं, भवनों एवं शिक्षकों की पूर्ति हेतु विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, जिले में १०+२ स्तर के विद्यालय निम्नानुसार संचालित है।

हाई स्कूल स्तर के विद्यालय

(१)	शास०हाई स्कूल	मण्डी सीहोर
(२)	,, ,,	बरखेड़ा हसन
(३)	,, कन्या ,,	आष्टा
(४)	,, ,,	कुरावर
(५)	,, कन्या ,,	इच्छावर
(६)	,, ,,	धामन्दा
(७)	,, ,,	भाऊखेड़ी
(८)	,, ,,	ब्रिजिसनगर
(९)	,, ,,	लाड़कुई
(१०)	,, ,,	चकल्दी
(११)	,, ,,	छीपानेर
(१२)	,, ,,	बांया
(१३)	,, ,,	डोबी
(१४)	अशा०इमानुअल ,,	सीहोर
(१५)	,, शारदा विद्या मन्दिर	सीहोर
(१६)	,, शास्त्री स्मृति	आष्टा

+२ स्तर के उ०मा०विद्यालय

(१)	शास०उ०मा०वि० क्रमांक १	सीहोर
(२)	,, ,, सुभाष	सीहोर
(३)	,, कन्या ,, एम०एल०बी०	सीहोर
(४)	,, ,,	बिलकीसगंज
(५)	,, ,,	शामपुर
(६)	,, ,,	दोराहा
(७)	,, ,,	इछावर
(८)	,, ,,	कोठरी
(९)	,, ,,	दीवड़ियां
(१०)	,, ,,	आष्टा
(११)	,, ,,	जावर
(१२)	,, ,,	मैना
(१३)	,, ,,	सिद्धीकीगंज
(१४)	,, ,,	नसरुल्लागंज
(१५)	,, ,,	बुधनी
(१६)	,, ,,	शाहगंज
(१७)	,, ,,	बकतरा
(१८)	,, ,,	रेहटी

१०+२ शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तथा हाई स्कूलों के प्रस्तावित रचना क्रम अनुसार स्टाफ व्यवस्था :—

(१) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (कक्षा ९ से १२ तक)

कक्षा ९ से १२ तक सबसे छोटे विद्यालय में कक्षा ९ व १० में प्रत्येक में एक तथा ११ व १२ में प्रत्येक में २ वर्ग इस प्रकार न्यूनतम ६ वर्ग होंगे, ऐसे विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था के लिए निम्नलिखित स्टॉफ आवश्यक होगा :—

१.	प्राचार्य	१,
२.	व्याख्याता (विज्ञान)	४, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव-विज्ञान एवं गणित।
३.	व्याख्याता (भाषा)	२, अंग्रेजी एवं हिन्दी।
४.	व्याख्याता (कला)	२, राजनीति विज्ञान अथवा इतिहास एवं अर्थशास्त्र अथवा भूगोल।
५.	शिक्षक	२, १ विज्ञान एवं १ कला।
६.	भाषा शिक्षक	१, संस्कृत
७.	शिक्षक	१, समाजोपयोगी उत्पादन कार्य।
८.	सहायक शिक्षक	३, प्रयोगशाला कार्य के लिए प्रत्येक प्रयोगशाला में एक।
९.	ग्रंथपाल	१, १० से अधिक वर्ग होने पर।

उपर्युक्त स्टाफ ८ वर्ग (कक्षा ११ व १२ के ५ वर्ग एवं कक्षा ९ व १० के ३ वर्ग) तक विद्यालयों के लिए पर्याप्त होगा। परन्तु वर्गों की संख्या ८ से कम होने पर भी विषयवार शिक्षण के लिए इतना स्टाफ देना आवश्यक होगा। यदि वर्गों की संख्या ८ से अधिक होती है तो प्रत्येक वर्ग के लिए निम्नानुसार व्यवस्था रहेंगी।

	यदि अतिरिक्त वर्ग कक्षा ११ या १२ में हो तो	यदि अतिरिक्त वर्ग कक्षा ९ या १० में हो तो
१. एक अतिरिक्त वर्ग पर	१ व्याख्याता	१ शिक्षक
२. दो —,,—	३ व्याख्याता	३ शिक्षक
३ तीन —,,—	४ व्याख्याता	४ शिक्षक
४. चार ,,—	६ व्याख्याता	६ शिक्षक

और अधिक वर्ग खुलने पर उक्त अनुपात में ही व्याख्याता एवं शिक्षक दिये जावेंगे। व्याख्याताओं एवं शिक्षकों का विषयमान से वितरण विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर किया जावेगा।

प्रत्येक विद्यालय में एक निम्न श्रेणी लिपिक, एक उच्च श्रेणी लिपिक तथा एक गणक का पद भी दिया जावेगा, १४ वर्गों तक के विद्यालयों में २ नियमित भृत्य तथा ३ नैमित्तिक भृत्य प्रस्तावित है। शारीरिक शिक्षा के लिए अलग से कोई शिक्षक नहीं दिया जावेगा, परन्तु स्वीकृत पदों में से एक शिक्षक जो कि शारीरिक शिक्षा में

प्रशिक्षित होगा यह कार्य करेगा "कृषि, विज्ञान अथवा अन्य अतिरिक्त संकायों के लिए प्रत्येक संकाय के लिए कम से कम २ अथवा ३ विषयवार आवश्यकतानुसार) अतिरिक्त व्याख्याताओं का प्रबन्ध करना होगा।

(२) हाई स्कूल (कक्षा ६ से १० तक)

छोटे से छोटे हाईस्कूल में प्रत्येक कक्षा के लिए एक वर्ग के आधार पर कम से कम ५ वर्ग होंगे। इन विद्यालयों में पढ़ाई की व्यवस्था के लिए निम्नानुसार शिक्षक आवश्यक होंगे,

(१)	प्राचार्य,	१
(२)	शिक्षक (विज्ञान)	२
(३)	शिक्षक (कला एवं भाषा)	२
(४)	सहायक शिक्षक	३

यह संख्या कक्षा ९-१० में ३ वर्गों तथा कक्षा ६ से ८ तक ३ वर्गों; इस प्रकार ६ वर्गों के विद्यालयों के लिये पर्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त वर्गों के लिए व्यवस्था निम्नानुसार होगी :—

	कक्षा ९ एवं १०	कक्षा ६ से १०
एक अतिरिक्त वर्ग	१ शिक्षक	१ सहायक शिक्षक
दो अतिरिक्त वर्ग	३ शिक्षक	२ सहायक शिक्षक

इसी प्रकार और अतिरिक्त वर्ग खुलने पर उपर्युक्त अनुपात में शिक्षकों की व्यवस्था होगी, प्रथम अतिरिक्त वर्ग के लिए नियुक्त होने वाला शिक्षक विज्ञान-गणित विषय का होगा और दूसरा अतिरिक्त शिक्षक कला/भाषा का होगा, इसी क्रम में शिक्षकों की व्यवस्था होगी।

उपर्युक्त शिक्षकों के अतिरिक्त प्रत्येक हाई स्कूल में शिक्षक समाजोपयोगी उत्पादन कार्य के लिए भी देना होगा। एक गणक व एक निम्न श्रेणी लिपिक कार्यालयीन कार्य के लिए एवं एक सहायक शिक्षक प्रयोगशाला कार्य के लिए दिया जावेगा। १० वर्ग तक के विद्यालयों के लिये २ नियमित तथा ३ नैमित्तिक भृत्यों का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक ४ अतिरिक्त वर्गों पर एक और नैमित्तिक भृत्य दिया जावेगा।

शासकीय, प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में पूर्व से चले आ रहे रचना क्रम के अनुसार स्टाफ पैटर्न

प्राथमिक शालायें कक्षा १ से ५ तक

यदि शाला में तीन कक्षायें हैं और छात्रों की संख्या ४५ है तो एक शिक्षक दिया जावेगा। यदि शाला में ५ कक्षायें है और छात्रों की संख्या ४५ है तो निम्न श्रेणी शिक्षक नियुक्त किये जायेंगे। इससे अधिक छात्र संख्या होने पर प्रति ४५ छात्रों पर एक अतिरिक्त निम्न श्रेणी शिक्षक उपलब्ध हो सकेगा।

माध्यमिक शालायें कक्षा ६ से ८ तक

कक्षा ६ से ८ तक यदि ४१ छात्र संख्या है तथा इन कक्षाओं में कुल वर्गों की संख्या ६ तक है तो प्रत्येक वर्ग के लिए एक निम्न श्रेणी शिक्षक दिया जायेगा। यदि किसी शाला में कक्षा ६ से ८ तक की कक्षा में ६ से अधिक वर्ग है तो उक्त शिक्षकों के अलावा एक अतिरिक्त प्रशिक्षित स्नातक उच्च श्रेणी शिक्षक दिया जायेगा तथा प्रत्येक वर्ग पर एक सहायक शिक्षक दिया जावेगा।

जिले की शैक्षिक प्रगति का सार

२० सूत्रीय कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में एक दृष्टि (फरवरी ८७ की स्थिति में)

(१) छात्रवृद्धि अभियान लक्ष्य एवं पूर्ति :—

वर्ष १९८६–८७ में जिले को ६,३०० बालक बालिकाओं की नवीन भर्ती का लक्ष्य दिया गया था। जिसके अन्तर्गत जिले की प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में लक्ष्य से अधिक ७,९०२–६,३००=१६०२ बालक-बालिकाओं की भर्ती की जा चुकी है।

(२) १०+२ शिक्षा प्रणाली

१०+२, शिक्षा पद्धति के अन्तर्गत जिले में १८ शासकीय उ०मा० विद्यालय एवं १४, हाई स्कूल संचालित है इसके अलावा १६७ शासकीय शिक्षा विभागीय माध्यमिक विद्यालय एवं ८३९ प्राथमिक विद्यालय सचालित है।

(३) औपचारिकेत्तर शिक्षा—

जिले में २४७ प्राथमिक स्तर तथा ६० माध्यमिक स्तर कुल ३०७ औपचारिकेत्तर शिक्षा केन्द्र संचालित है जिनमें ७८९३ बालक एवं ७९२ बालिका कुल ७६८५ शाला अप्रवेशी बालक-बालिकाऐं निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

(४) बुक बैंक योजना :—

इस योजनान्तर्गत जिले में कक्षा १ से ८ तक अध्ययनरत् हरिजन आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग के ९६५९ बालक-बालिकाओं को रुपये ९,४०००=०० मूल्य की पाठ्य पुस्तकें क्रय कर वितरित की गई हैं।

(५) पढ़ो कमाओं योजनान्तर्गत बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन :—

इस योजना में प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् १५००५ हरिजन, आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग की बालिकाओं को पढ़ो कमाओं योजना के अन्तर्गत रुपये ३,२२,६०७=५० मूल्य की १५,००५ गणवेशे तैयार कराकर निःशुल्क वितरित की गई। विकास खण्डवार विवरण निम्नानुसार है—

सीहोर	आष्टा	इछावर	नसरूल्लागंज	बुधनी	योग
२३१८	३८१८	३१८४	२१८४	३५०१	१५००५

(६) विद्यालयों हेतु आवश्यक सामान की व्यवस्था :—

(अ) टाटपट्टी व्यवस्था योजना :—जिले की ८३९ प्राथमिक तथा १६७ माध्यमिक शालाओं हेतु प्रति प्राथमिक शाला ६ टाटपट्टी तथा प्रति माध्यमिक शाला १० टाटपट्टी प्रदाय करने के लिए रुपये ४,५३,८२९ रु. मूल्य की, ८१२४ टाटपट्टियां म०प्र० लघु उद्योग निगम से तथा रुपये ३९,१८० मूल्य की ६५३ टाटपट्टियां पढ़ो कमाओं योजनान्तर्गत निर्मित क्रय की गई। प्राप्त टाटपट्टियों का विकास खण्डवार बितरण निम्नानुसार है।

सीहोर	आष्टा	इछावर	नसरूल्लागंज	बुधनी	योग
१६०४	१७६०	९००	१६००	१६००	७४६४

उपरोक्त के अलावा म०प्र० लघु उद्योग निगम की १,११३ तथा पढ़ो-कमाओ योजना से निर्मित २०० इस प्रकार १,३१३ टाटपट्टियां प्राप्त होना अभी शेष है। उपरोक्त स्थिति से स्पष्ट है कि जिले की सभी शालाओं में टाटपट्टी की पूर्ति की जा चुकी है।

(ब) हरिजन विशेषांश योजना, आदिवासी उप योजना, एवं सामान्य योजना के अन्तर्गत प्राप्त आबंटन लगभग ८ लाख रुपये से निम्नानुसार सामग्रियाँ क्रय कर प्रत्येक शाला को उपलब्ध कराई जा रही है।

शैक्षिक सामग्री :—जैसे ज्योमेट्री बाक्स, विभिन्न पंजियाँ, रोलप बोर्ड, चार्टस नक्शे, घड़ी एवं शाला उपयोग हेतु अन्य सामग्री।

क्रीड़ा सामग्री :—लेजिम, डम्बल, ट्री, फुटबाल आदि ।

पेय जल हेतु—रस्सी, बाल्टी, लोटा, एवं ग्लास आदि

जन स्वास्थ्य हेतु :—फर्स्ट एड बाक्स एवं स्वास्थ्य परीक्षण पंजी आदि ।

(७) नवीन भवन निर्माण :

ग्रामीण भूमिहीन रोजगार आश्वासन योजनान्तर्गत वर्ष ८३–८४ से आज पर्यन्त जिले में रुपये १७ लाख की लागत से ३४ प्राथमिक शाला भवनों का निर्माण तथा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत रुपये १० लाख की लागत से ३० प्राथमिक शाला भवनों का निर्माण हो चुका है ।

(८) शाला भवन उपकर :—

वर्ष १९८४–८५ में प्राप्त आवंटन रुपये ९,२२,१४८=१३ से ग्रामीण क्षेत्र की ९ प्राथमिक शाला भवनों का निर्माण, ४ प्राथमिक शाला में मूत्रालय निर्माण तथा ३६ प्राथमिक शाला भवनों की मरम्मत एवं वर्ष ८५–८६ में प्राप्त आबंटन रुपये १०,५२,०००=०० से १२ शालाओं में हेण्ड पम्प निर्माण, १० शालाओं में बाउन्ड्री-वाल निर्माण, ९ शालाओं में मूत्रालय निर्माण तथा ६१ शाला भवनों की मरम्मत कराई गई हैं ।

वित्तीय वर्ष १९८६–८७ में रुपये १२,०७,३६८=६३ का आवंटन प्राप्त हुआ है । रुपये ४,१८,९२४=६५ का आवंटन प्राप्त होना शेष है । उक्त राशि से प्रत्येक विकास खण्ड की ग्रामीण क्षेत्र की प्राथमिक, माध्यमिक व उ०मा०वि० शाला भवनों की मरम्मत व साज सज्जा हेतु प्रावधान किया गया हैं।

(९) प्रयोगशाला शेड निर्माण :—

१०+२ शिक्षा के अन्तर्गत जिले की ७ उ०मा०वि० में रुपये १,८७,९६० रुपये की लागत से प्रयोगशाला शेड्स का निर्माण कार्य चल रहा है ।

(१०) शिक्षकों की व्यवस्था :

सहायक शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति के अन्तर्गत जिले में रिक्त ४४० सामान्य, ११५ हरिजन, ११३ आदिवासी, ६ विकलांग, कुल ६७४ सहायक शिक्षकों के पदों में से ४२९ सामान्य, ८४ हरिजन, १२ आदिवासी एवं १ विकलांग कुल ५२६ सहायक शिक्षकों के पद भरे जा चुके है तथा ११ सामान्य, ३१ हरिजन, १०१ आदिवासी एवं ५ विकलांग कुल १४८ सहायक शिक्षक के पद रिक्त है ।

इनमें से १०१ आदिवासियों के आरक्षित रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शासन के निर्देशानुसार विज्ञापन प्रकाशित कर आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं एवं शीघ्र पूर्ति हेतु कार्यवाही चल रही है ।

वर्ष १०८४–८५ के १४७ तदर्थ उप शिक्षकों में से नियमानुसार १२९ उप शिक्षकों को नियमित किया जा चुका है । शेष पात्रता न होने से नियमित न हो सकें ।

(११) केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालय की स्थापना :—

इस वर्ष जुलाई १९८६ से एक केन्द्रीय विद्यालय प्रारम्भ किया गया है जो गिन्नार आश्रम कृषि उपज मण्डी समिति सीहोर में संचालित है एवं नवोदय विद्यालय हेतु श्यामपुर स्थान का चयन हो चुका है ।

(१२) आवासीय विद्यालय की स्थापना :—

जुलाई १९८७ से राज्य में एक मात्र आवासीय विद्यालय सीहोर में स्थापित करने की योजना शासनाधीन है जिसमें निःशुल्क भोजन, आवास, गणवेश एवं अन्य सामग्री छात्रों को शासन द्वारा उपलब्ध कराते हुवे विभिन्न विषयों के अध्यापन के साथ-साथ विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं को तैयार किया जावेगा । इसके अन्तर्गत इसी वित्तीय वर्ष में क्रीड़ांगण निर्माण हेतु लगभग ४ लाख रुपये लोक निर्माण विभाग को तथा फर्नीचर प्रयोगशाला उपकर हेतु २,३०,००० रुपये पुस्तकें एवं पत्रिकाओं हेतु २०,००० रुपये खेलकूद एवं क्रीड़ा सामग्री हेतु रु. २,००००० का आवंटन जिला शिक्षा कार्यालय सीहोर को उपलब्ध कराया गया है । समस्त सामग्री म०प्र० लघु उद्योग निगम भोपाल से क्रय करने हेतु कार्यवाही की गई है ।

मध्यप्रदेश में शिक्षा प्रशासन

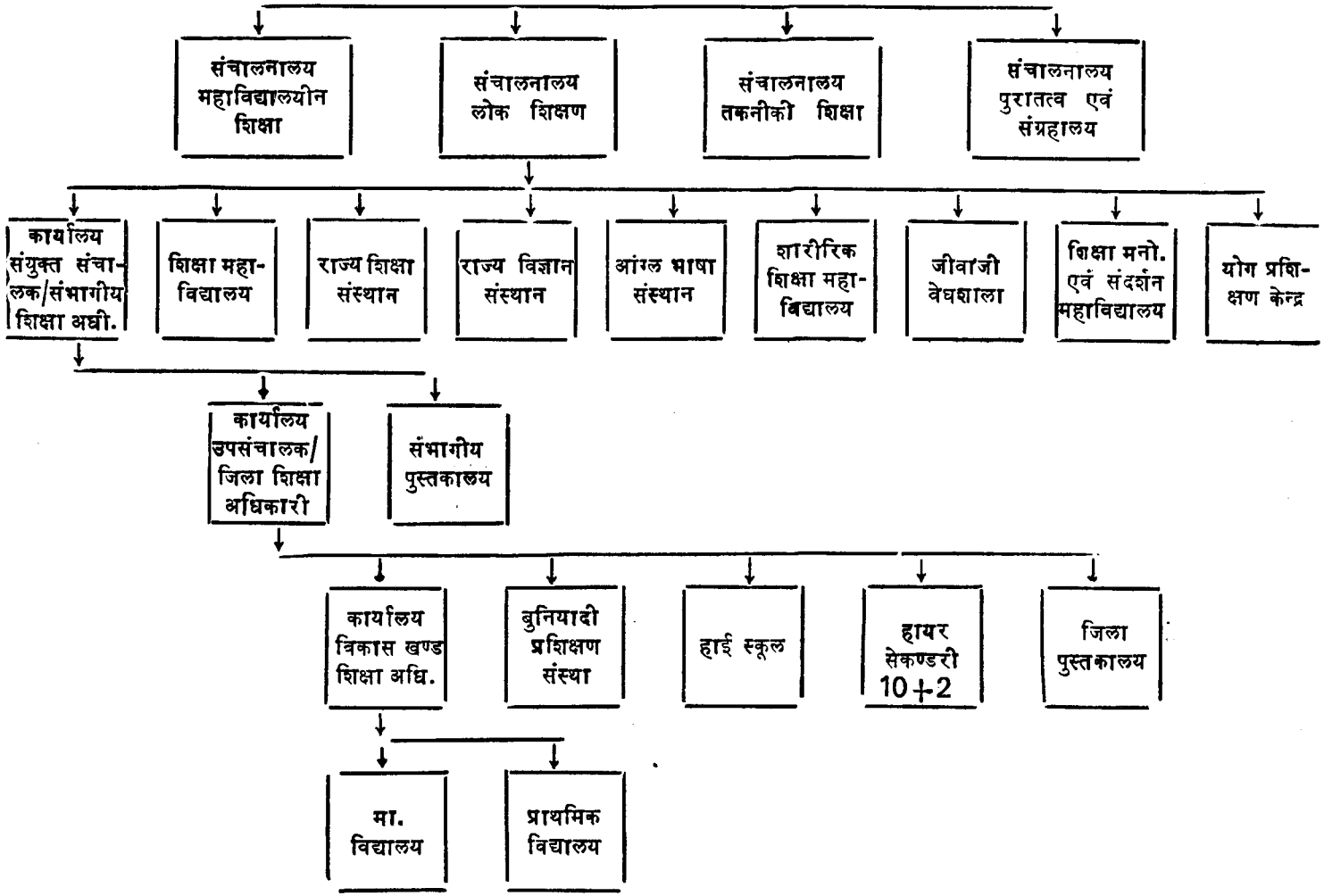

DOC. No. 3957
Date 14.9.87

प्रशासनिक व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, जिला तथा विकासखण्डों का पुनर्गठन

संचालनालय के पृष्ठांकन क्रमांक यो० का/अ/२०/८६/१६०८ दिनांक २-७-८६ में दर्शाये अनुसार प्रशासनिक व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण योजना के अन्तर्गत जिला तथा विकासखण्डों के पुनर्गठन सम्बन्धी शासन स्वीकृति भेजी गई है। जिसके तहत म० प्र० के ५४ जिला शिक्षा कार्यालयों में से २२ जिलों हेतु उपसंचालक शिक्षा कार्यालय एवं इन्हीं २२ जिलों के २०६ विकास खण्डों में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के कार्यालयों का निर्माण प्रत्येक कार्यालय के लिए स्टाफ स्वीकृत किया गया है, जिसमें कुछ नवीन पद निर्मित किये गये हैं एवं कुछ पद जिला कार्यालयों से विकास खण्ड कार्यालयों में स्थानान्तरित किये गये हैं, सीहोर जिले में इस योजनान्तर्गत १-११-८६ से उप संचालक शिक्षा कार्यालय एवं विकास खण्ड कार्यालय प्रारम्भ किया जा चुका है।

कार्यालय उप संचालक शिक्षा जिला – सोहोर की स्टॉफ जानकारी

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद (३१-३-८७)
१	उप संचालक	१	१
२	सहायक संचालक	१	१
३	योजना अधिकारी	१	रिक्त
४	लेखा अधिकारी	१	रिक्त
५	सहा० सांख्यिकीय अधिकारी	१	१
६	क्रीड़ा निरीक्षक	१	१
७	वरिष्ठ लेखा परीक्षक	१	१ (पद विरूद्ध)
८	मुख्य लिपिक	१	रिक्त
९	स्टेनोग्राफर	१	१ (पद विरूद्ध)
१०	सहायक	२	२
११	गणक	२	१
१२	कनिष्ठ लेखा परीक्षक	१	१ (पद विरूद्ध)
१३	उच्च श्रेणी लिपिक	२	२
१४	निम्न श्रेणी लिपिक	२	२
१५	टायपिस्ट	४	३
१६	दफ्तरी	१	रिक्त
१७	भृत्य	३	३

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड सीहोर की स्टॉफ जानकारी

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद
१	विकास खण्ड अधिकारी	१	१
२	अन्वेषक	१	रिक्त
३	गणक	१	रिक्त
४	उच्च श्रेणी लिपिक	२	२

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद
५	निम्न श्रेणी लिपिक	१	१
६	टाईपिस्ट	१	१
७	चौकीदार	१	१
८	भृत्य	१	१

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड इछावर की स्टॉफ जानकारी

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद
१	विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी	१	१
२	अन्वेषक	१	रिक्त(पदविरूद्ध)
३	गणक	१	१
४	उच्च श्रेणी लिपिक	२	२
५	निम्न श्रेणी लिपिक	१	रिक्त
६	टाईपिस्ट	१	रिक्त
७	चौकीदार	१	१
८	भृत्य	१	रिक्त

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड आष्टा की स्टॉफ जानकारी

१	विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी	१	१
२	अन्वेषक	१	रिक्त
३	गणक	१	रिक्त
४	उच्च श्रेणी लिपिक	२	२
५	निम्न श्रेणी लिपिक	१	१
६	टाईपिस्ट	१	रिक्त
७	चौकीदार	१	,,
८	भृत्य	१	,,

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड नसरूल्लागंज की स्टॉफ जानकारी

१	विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी	१	१
२	अन्वेषक	१	रिक्त
३	गणक	१	रिक्त
४	उच्च श्रेणी लिपिक	२	२
५	निम्न श्रेणी लिपिक	१	१
६	टाईपिस्ट	१	रिक्त
७	चौकीदार	१	रिक्त
८	भृत्य	१	रिक्त

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड बुधनी की स्टॉफ जानकारी

१	विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी	१	१
२	अन्वेषक	१	रिक्त
३	गणक	१	रिक्त
४	उच्च श्रेणी लिपिक	२	२
५	निम्न श्रेणी लिपिक	१	रिक्त
६	टाईपिस्ट	१	रिक्त
७	चौकीदार	१	रिक्त
८	भृत्य	१	रिक्त

सहायक जिला शाला निरीक्षकों की जानकारी:—

प्रशासनिक व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण योजनान्तर्गत शासन स्वीकृति में सहायक जिला शाला निरीक्षकों के अतिरिक्त पद स्वीकृत नहीं किये गये हैं। जिले में पूर्व से ही १७ पद स्वीकृत है, जो पूर्ववत् ही विभिन्न विकास खण्डों एवं जिला मुख्यालय पर कार्यरत है ।

विभागीय शिक्षक स्टॉफ की जानकारी

क्रमांक	पद	स्वीकृत पद	कार्यरत्
१	प्रधानाध्यापक मा. विद्यालय	१६३	१३३
२	उच्च श्रेणी शिक्षक	११५	६४
३	प्रधानाध्यापक प्रा. विद्यालय	२६७	१९८
४	निम्न श्रेणी शिक्षक	२७१२	२५९४
५	भृत्य	१६३	१५८
६	कन्टेजेसी भृत्य	१८	१८

उप संचालक कार्यालय में कार्यरत औपचारिकेत्तर शिक्षा स्टॉफ की जानकारी

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत् पद
१	समन्वयक	१	१
२	पर्यवेक्षक	२	२
३	ग्राम सेवक	१	१
४	ग्राम सेविका	१	१ (पद विरूद्ध)

जिला पुस्तकालय सीहोर की जानकारी

क्रमांक	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत् पद
१	पुस्तकालयाध्यक्ष	१	१
२	उच्च श्रेणी लिपिक	१	१
३	भृत्य	२	२

जिला पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ पत्र पत्रिका एवं ग्रन्थों की जानकारी

		न्यूज पेपर			साप्ताहिक	मासिक
		अंग्रेजी	हिन्दी	उर्दू		
१	पुस्तकालय में प्राप्त पत्र पत्रिकाओं की संख्या	८	२०	२	२५	४६

		उपलब्ध संदर्भ ग्रन्थ	अन्य ग्रन्थों की संख्या
२	पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ तथा अन्य ग्रंथों की संख्या	२०००	१३७२०
३	लाभान्वित पाठकों की संख्या	प्रति वर्ष एक लाख	

बालक की देह छोटी है लेकिन उसकी आत्मा महान् है। बालक की देह विकासमान है, बालक की शक्तियाँ विकासशील हैं, लेकिन उसकी आत्मा तो सम्पूर्ण है। हम उस आत्मा का सम्मान करें। अपनी गलत रीतिनीति से हम बालक की शुध्द आत्मा को भ्रष्ट और कलुषित न करें।

जिले की समस्त शैक्षिक संस्थाओं की सूची

(३०-९-१९८६ की स्थिति में)

स०क्र०	संस्था का नाम	शास० अशास०	विकास खंड
१	२	३	४
१	शास०महा विद्यालय सीहोर	शास०	सीहोर
२	" कन्या " "	"	"
३	" कृषि " "	"	"
४	" महाविद्यालय	इछावर "	इछावर
५	" "	आष्टा "	आष्टा
६	" बुनियादी प्रशिक्षण संस्था	सीहोर "	सीहोर
७	" औद्योगिक "	सीहोर "	सीहोर
८	" तकनिकी उ.मा.वि. एवं माध्य०विद्यालय	सीहोर "	सीहोर

उ०मा०विद्यालय

क्रमांक	संस्था का नाम	शास/अशास	विकास खंड
१	२	३	४
१	बालक उ.मा.वि. क्र. १, सीहोर	शास०	सीहोर
२	" सुभाष " क्र. २, सीहोर	"	"
३	महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उ०मा०विद्यालय	सीहोर "	"
४	बालक उ.मा विद्यालय	बिलकीसगंज "	"
५	" "	श्यामपुर "	"
६	" "	दोराहा "	"
७	" "	इछावर "	इछावर
८	" "	दीवड़ियां "	इछावर
९	" "	आष्टा "	आष्टा
१०	" "	कोठरी "	"
११	" "	जावर "	"
१२	" "	मेना "	"
१३	" "	सिद्धीकीगंज "	"
१४	बालक उ.मा.विद्या.	नसरूल्लागंज शास.	नसरूल्लागंज
१५	" "	बुधनी "	बुधनी
१६	" "	शाहगंज "	"
१७	" "	बकतरा "	"
१८	" "	रेहटी "	"

हाई स्कूल

स.क्र.	संस्था का नाम	शास./अशास.	विकास खंड
१	२	३	४
१	बालक हाई स्कूल मंण्डी	शास०	सीहोर
२	" "	बरखेड़ाहसन "	"
३	" "	अहमदपुर "	"
४	कन्या "	आष्टा "	आष्टा
५	बालक "	कुरावर "	आष्टा
६	कन्या "	इछावर "	इछावर
७	बालक "	धामन्दा "	"
८	अ "	भाऊखेड़ी "	"
९	" "	ब्रिजिसनगर "	"
१०	" "	लाड़कुई "	नसरूल्लागंज
११	" "	चकल्दी "	नसरुल्लागंज
१२	" "	छीपानेर "	"
१३	" "	बायां "	बुधनी
१४	" "	डोबी "	"
१५	" "	इमानुअल सीहोर	अशाकीय सीहोर
१६	" "	शारदा विद्या मंदिर सीहोर "	"
१७	" "	शास्त्री स्मृति आष्टा "	आष्टा

संस्कृत विद्यालय

१	अशा. संस्कृत विद्या.	सलकनपुर अशा	बुधनी

माध्यमिक शालायें

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था विकास वृत (सहा. का प्रकार	खण्ड	जि शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
१	मा.शा. टै.प्र.सीहोर	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर प्र
२	„ टैगोर-द्वि.सीहोर	„	„	„	„
३	„ गांधी शिशु सीहोर	„	„	„	„
४	„ अभ्यास सीहोर	„	„	„	„
५	„ बढ़ियाखेड़ी सीहोर	„	„	„	„
६	„ तिलक सीहोर	„	„	„	„
७	मा.शा.कमला नेहरू कन्या सीहोर	„	बालिका	„	„
८	मा.वि.कन्या सीहोर	„	„	„	„
९	मा.शा. पचामा	„	बालक	„	„
१०	„ खामलिया	„	„	„	„
११	„ बिजलोन	„	„	„	„
१२	„ उलझावन	„	„	„	„
१३	„ बमूलिया	„	„	„	„
१४	„ मुंगावली	„	„	„	„
१५	„ कुलास कलां	„	„	„	„
१६	„ बरखेड़ी	„	„	„	„
१७	„ बिलकिसगंज	„	„	„	„
१८	„ स्वा.विवेकानंद मण्डी सीहोर	„	„	„	सीहोर द्वि०
१९	„ सुभाष सीहोर	„	„	०	„
२०	„ सरदार पटेल सी.	„	बालिका	„	„
२१	„ बनबेन सीहोर	„	„	„	„
२२	क.मा.शा. कस्तूरबा	„	बालिका	सीहोर	सीहोर द्वि
२३	„ मा शा. मोगराराम	„	बालक	„	„
२४	„ गुड़भेला	„	„	„	„
२५	„ सोंडा	„	„	„	„
२६	„ मुस्करा	„	„	„	„
२७	„ मुंडला कलां	„	„	„	„
२८	„ महोड़िया	„	„	„	„
२९	„ जताखेड़ा	„	„	„	„
३०	„ सतपीपलिया	„	„	„	„
३१	„ सोंठी	„	„	„	„
३२	„ खजूरिया कलां	„	„	„	„
३३	„ सेमरा दांगी	„	„	„	„
३४	„ निपानियां कला	„	„	„	„
३५	„ जोंनपुर बावड़िया	„	„	„	„
३६	„ सिराड़ी	„	„	„	„
३७	„ मुखत्यार नगर	„	„	„	„
३८	„ खण्डवा	„	„	„	„
३९	„ कचनारिया	„	„	„	„
४०	मा वि. श्यामपुर	„	„	„	„
४१	मा.वि. दौराहा	„	„	„	दौराहा
४२	क.मा.आ.शा दौराहा	„	बालिका	„	„
४३	मा.वि बरखेड़ाहसन	„	बालक	„	„
४४	„ अहमदपुर	„	„	„	„
४५	मा.शा. खाईखेड़ा	„	„	„	„
४६	„ चरनाल	„	„	„	„
४७	„ झरखेड़ा	„	„	„	„
४८	मा.शाला बिछिया	शासकीय	बालक	सीहोर	दौराहा
४९	„ पाटन	„	बालक	सीहोर	दौराहा
५०	क. मा.शा. इछावर	„	बालिका	इछावर	दौराहा
५१	„ मा शाला आर्या	„	बालक	„	„
५२	„ झालकी	„	„	„	„
५३	„ खेरी	„	बालक	„	„
५४	„ चैनपुरा	„	„	„	„
५५	„ बोरदीकलां	„	„	„	„
५६	„ नयापुरा	„	„	„	०
५७	„ रामदासी	„	„	„	„
५८	मा.विभाग इछावर	„	„	„	„
५९	कन्या इछावर	„	बालिका	„	„
६०	मा.वि. ब्रिजीसनगर	„	„	„	„
६१	„ दीवड़िया	„	बालक	„	„
६२	„ शाला इछावर क्र०१	„	„	„	इछावर क्र.२
६३	„ इच्छावर क्र.२	„	„	„	„

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
६४	» विद्या. भाऊखेड़ी	»	»	»	»
६५	» शाला अमलाहा	»	»	»	»
६६	» विद्या धामन्दा	»	»	»	»
६७	० शाला रामनगर	»	»	»	»
६८	» शाला बिशनखेड़ी	»	»	»	»
६९	» सेमली जदीद	»	»	»	»
७०	» नरसिंहखेड़ा	»	»	»	»
७१	» आमला रा. पुरा	»	»	»	»
७२	» पांगरा	»	»	»	»
७३	» गोलूखेड़ी	»	»	»	»
७४	मा.शाला वमूलियाँ	शास.	बालक	आष्टा	आष्टा प्र.
७५	» बेदाखेड़ी	»	»	»	»
७६	» गवाखेड़ा	»	»	»	»
७७	» निपानियाँ	»	»	»	»
७८	» भौरा	»	»	»	»
७९	» बागेर	»	»	»	»
८०	» अलीपुर	»	»	»	»
८१	» हर्राजखेड़ी	»	»	»	»
८२	कन्या कोठारी	»	बालिका	»	»
८३	मा.शाला कोठरी	»	बालक	»	»
८४	कन्या आष्टा	»	बालिका	»	»
८५	मा शा. रोलागाँव	»	बालक	»	आष्टा द्वि.
८६	» खामखेड़ा	»	»	»	»
८७	» कन्नोद मिरजी	»	»	»	»
८८	» ड़ाबरी	»	»	»	»
८९	» हकीमाबाद	»	»	»	»
९०	» बुधवारा आष्टा	»	»	»	»
९१	» नजरगंज, आष्टा	»	»	»	»
९२	» किला आष्टा	»	»	»	»
९३	» खड़ी	»	»	»	जावर
९४	» खामखेड़ा	»	»	»	»
९५	» कजलास	»	»	»	»
९६	» मुरावर	»	»	»	»
९७	» सेवदा	»	»	»	»
९८	» फूड़रा	»	»	»	»
९९	» भौरीकला	»	»	»	»
१००	क.मा.शाला जावर	शास.	बालिका	आष्टा	जावर
१०१	» मैना	»	»	»	»
१०२	मा.विद्या. कुरावर	»	बालक	»	»
१०३	» जावर	»	»	»	»
१०४	» मैना	»	»	»	»
१०५	» मेतवाड़ा	»	»	आष्टा	मेहतवाड़ा
१०६	क.मा शा. मेतवाड़ा	»	बालिका	»	मेतवाड़ा
१०७	मा.शा. गुरा. बर्मा	»	बालक	»	»
१०८	» खजूरियाँ-कासम	»	»	»	»
१०९	» लसूड़िया पाटन	»	»	»	»
११०	» जसमत	»	»	»	»
१११	० सिद्धीकीगंज	»	»	»	»
११२	» ग्वाली	»	»	»	»
११३	मा.शा.टी.टी.सी.	शा.	बालक	बुधनी	बुधनी
११४	» जोशीपुर	»	»	»	»
११५	» बायाँ	»	»	»	»
११६	» पान गुराड़ियाँ	»	»	»	»
११७	» जहाजपुरा	»	»	»	»
११८	» नीनोर	»	»	»	»
११९	» बुधनी घाट	»	»	»	»
१२०	कन्या बुधनी	»	बालिका	»	»
१२१	मा वि. बुधनी	»	बालक	»	»
१२२	मा वि. रेहटी	शास.	बालक	बुधनी	रेहटी
१२३	क.मा शा. रेहटी	»	बालिका	»	»
१२४	मा.शा मोगरा	»	बालक	»	»
१२५	मा.शा.मर्रदानपुर	शास.	बालक	बुधनी	रेहटी
१२६	» भड़कुल	»	»	»	»
१२७	» खेरी	»	»	»	»

माध्यमिक शालायें

क्र०	विद्यालय का नाम	शास. अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
१२८	कन्या शाहगंज	"	बालिका	"	शाहगंज
१२९	मा.शा. अकोला	"	बालक	"	"
१३०	मा.शा. गादर	"	"	"	"
१३१	" डुंगरिया	"	"	"	"
१३२	" जोनतला	"	"	"	"
१३३	" नांदनेर	"	"	"	"
१३४	" सरदारनगर	"	"	"	"
१३५	मा.वि. शाहगंज	"	"	"	"
१३६	" बकतरा	"	"	"	"
१३७	" डोबी	"	"	"	"
१३८	मा.शा. राला	शास.	बालक	नसरू.गंज	नसरू.गंज प्रथम
३९	" सतराना	"	"	"	"
१४०	" दिगवाड़	"	"	"	"
१४१	" छितगाँवकाछी	"	"	"	"
१४२	" चींच	"	"	"	"
१४३	" धोलपुर	"	"	"	"
१४४	" इटारसी	"	"	"	"
१४५	" गोपालपुर	"	"	"	"
१४६	" बोइबोड़ी	"	"	"	"
१४७	कन्या नसरूल्लागंज	"	बालिका	"	"
१४८	मा.शा.डिमार	शास.	बालक	नसरूल्लागंज	नस.गंज प्रथम
१४९	" नसरूल्लागंज	"	"	"	"
१५०	" छीपानेर	"	"	"	"
१५१	" चकल्दी	शास.	बालक	नस गं.	नस.गं. द्वि.
१५२	" सोयत	"	"	"	"
१५३	" नंदगांव	"	"	"	"
१५४	" पाचोर	"	"	"	"
१५५	" भादाकुई	"	"	"	"
१५६	" नयापुरा	"	"	"	"
१५७	" वासुदेव	"	"	"	"
१५८	" सुकरवास	"	"	"	"
१५९	" निमोटा	"	"	"	"
१६०	" सेमलपानी कदीम	"	"	"	"
१६१	" बोरखेड़ा कलां	"	"	"	"
१६२	" लाड़कुई	"	"	"	"
१६३	" टीकामोड़	"	"	"	"

अशासकीय संस्थाएँ माध्यमिक स्तर

क्र०	विद्यालय का नाम	अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
१	मा.शाला मोदी शिशु सीहो	बालक	सीहोर		सीहोर प्र.
२	" इमानुअल सीहोर	"	"		"
३	" टिनीटाट सीहोर	"	"		"
४	" शारदा विद्या मं.सीहोर	"	"		"
५	" मान्टेसरी सीहोर	"	"		"
६	" बाल विद्या मंदिर सीहोर	"	"		"
७	" शास्त्री स्मृति विद्या मं०	"	इछावर		इछावर-प्र
८	" शास्त्री स्मृति आष्टा	"	आष्टा		आष्टा द्वि
९	" सस्कृत शिशु मं.आष्टा	"	"		"
१०	" शास्त्री स्मृति नसरुल्लागंज	"	नस.गं.		नस गंज.द्वि

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
आदि. जा. कल्याण विभाग द्वारा संचालित शालायें					
१	मा शाला दौलतपुर		बालक	इछावर	इछावर प्र.
२	" " आबिदाबाद		"	"	"
३	" " अमीरगंज		०	"नसरू.गंज	द्वि.
४	" आदि.आश्र.गिल्लोर		"	"	"
प्राथमिक शालायें					
क्र.	विद्यालय का नाम	शास / अशा.	बालक/बालिका	विकास खण्ड	वृत सहा जि. शा. निरीक्षक
१	२	३	४	५	६
१	प्रा.विभा.टैगो.प्र.	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर प्र.
२	प्रा.विभाग द्वि.	"	"	"	"
३	" गांधी शिशु सीहो.	"	"	"	"
४	" अभ्यास सीहोर	"	"	"	"
५	" बड़ियाखेड़ी सीहो.	"	"	"	"
६	" तिलक सीहोर	"	"	"	"
७	क.कमला नेहरू सीहो.	"	बालिका	"	"
८	प्रा.शाला मोतीलाल नेहरू	"	बालक	"	"
९	" " मछली बाजार सीहोर	"	"	"	"
१०	" " सिपाहीपुरा सीहोर	"	"	"	"
११	" " मुरदी सीहोर	"	"	"	"
१२	" " इन्द्रा गाँधी सी.	"	बालिका	"	"
१३	" " सरोजिनी नायडू	"	बालिका	"	"
१४	" शेरपुर	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर-प्र
१५	" महुआखेड़ी	"	"	"	"
१६	" पिपलिया-मीरां	"	"	"	"
१७	" चंदेरी	"	"	"	"
१८	" जमोनिया-टैंक	"	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा जि शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
१९	" धबोटी	"	"	"	"
२०	" नयापुरा	"	"	"	"
२१	" जहांगीरपुरा	"	"	"	"
२२	" सेमली-खुर्द	"	"	"	"
२३	" राजखेड़ी	"	"	"	"
२४	" ढ़ाबला	"	"	"	"
२५	" कुलासखुर्द	"	"	"	"
२६	" भण्डेली	"	"	"	"
२७	" चैनपुरा	"	"	"	"
२८	" खेड़ली	"	"	"	"
२९	" बिलकीसगंज	"	"	"	"
३०	" आंवलीखेड़ा	"	"	"	"
३१	" पाटनी	"	"	"	"
३२	" लीलाखाड़ी	"	"	"	"
३३	" रामाखेड़ी	"	"	"	"
३४	प्रा.शाला आलमपुरा	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर प्र.
३५	" खारी	"	"	"	"
३६	" बड़नगर	"	"	"	"
३७	" टिठोड़ा	"	"	"	"
३८	" बारवाखेड़ी	"	"	"	"
३९	" लसूड़िया-हरिहार	"	"	"	"
४०	" दुपाड़िया-भील	"	"	"	"
४१	" डोडी	"	"	"	"
४२	" पड़ली	"	"	"	"
४३	" जमनी	"	"	"	"
४४	" नोनीखेड़ी	"	"	"	"
४५	" अमरौद	"	"	"	"
४६	" रायपुर नयाखेड़ा	"	"	"	"
४७	" शिकारपुर	"	"	"	"
४८	" सागोनी	"	"	"	"
४९	" भैसाखेड़ी	"	"	"	"
५०	" रलावती	"	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
५१	,, हीरापुर	शास.	,,	,,	,,
५२	,, भोजनगर	,,	,,	,,	,,
५३	,, धावनखेड़ा	,,	,,	,,	,,
५४	,, काहिरी जदीद	,,	,,	,,	,,
५५	,, रायपुरा	,,	,,	,,	,,
५६	,, गेरूखान	,,	,,	,,	,,
५७	,, तज	,,	,,	,,	,,
५८	,, पीपलनेर	,,	,,	,,	,,
५९	,, चौंडी	,,	,,	,,	,,
६०	प्रा शाला इमलीखेड़ा	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर प्र.
६१	कन्या मुंगावली	,,	बालिका	,,	,,
६२	,, खामलिया	,,	,,	,,	,,
६३	,, उलझावन	,,	,,	,,	,,
६४	,, बिलकिगंज	,,	,,	,,	,,
६५	,, प्रा शाला रातीखेड़ा,,		बालक	,,	,,
६६	,, विभाग पंचामा	,,	,,	,,	,,
६७	,, खामलिया	,,	,,	,,	,,
६८	,, बिजलोन	,,	,,	,,	,,
६९	,, उलझावन	,,	,,	,,	,,
७०	,, बमूलिया	,,	,,	,,	,,
७१	,, मुगावली	,,	,,	,,	,,
७२	,, कुलासखुर्द	,,	,,	,,	,,
७३	,, बरखेड़ी	,,	,,	,,	,,
७४	,, सुभाष-सीहोर	,,	,,	,,	सीहोर द्वि.
७५	,, विवे मण्डी सीहोर,,		,,	,,	,,
७६	क.सर पटेल सीहोर	,,	बालिका	,,	,,
७७	,, मनुबेन सीहोर	,,	,,	,,	,,
७८	,, मुर्दी सीहोर	,,	बालक	,,	,,
७९	,, ग्वालटोली सीहोर,,		,,	,,	,,
८०	,, डोहर सीहोर	,,	,,	,,	,,
८१	,, शांति निके.सोहो	,,	,,	,,	,,
८२	,, गोपालपुरा	,,	,,	,,	,,
८३	,, मूंडलाकलां	शास.	,,	,,	,,
८४	,, महोड़िया	,,	,,	,,	,,
८५	,, मुस्करा	,,	,,	,,	,,
८६	,, जनाखेड़ा	,,	,,	,,	,,
८७	,, गुड़भेला	,,	,,	,,	,,
८८	प्रा विभा सतपील्या	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर द्वि.
८९	,, मोगराराम	,,	,,	,,	,,
९०	,, चितोड़ियावान	,,	,,	,,	,,
९१	,, चितोड़िया हेत्मा	,,	,,	,,	,,
९२	,, चितोड़िया लाखा	,,	,,	,,	,,
९३	,, अदपुरा	,,	,,	,,	,,
९४	,, कन्या कस्तूरबा	,,	बालिका	,,	,,
९५	प्रा शाला अलाहदाखेड़ी,,		बालक	,,	,,
९६	,, रफीकगंज	,,	,,	,,	,,
९७	,, मूंडला-खुर्द	,,	,,	,,	,,
९८	,, शाहपुरा कोड़िया,,		,,	,,	,,
९९	,, मोगराफूल	,,	,,	,,	,,
१००	,, पच पीपल्या	,,	,,	,,	,,
१०१	,, मनाखेड़ा	,,	,,	,,	,,
१०२	,, खोखरी	,,	,,	,,	,,
१०३	,, मूल्लानी	,,	,,	,,	,,
१०४	,, रामखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१०५	,, हैदरगंज	,,	,,	,,	,,
१०६	,, भटोनी	,,	,,	,,	,,
१०७	,, सांगाखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१०८	प्राथ. विभाग सोडा	,,	,,	,,	,,
१०९	प्रा.शाला कचनारिया	,,	,,	,,	,,
११०	,, संग्रामपुर	,,	,,	,,	,,
१११	,, खारपा	,,	,,	,,	,,
११२	,, बिजोरी	,,	,,	,,	,,
११३	,, छापरी कलां	,,	,,	,,	,,
११४	प्रा.शाला छापरी खुर्द	शास.	बालक	सीहोर	सीहोर द्वि.

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
११५	,, लालाखेड़ी	शास	,,	,,	,
११६	,, डेंडी	,,	,,	,,	,,
११७	,, बिजोरा	,,	,,	,,	,,
११८	,, आमला	,,	,,	,,	,,
११९	,, लसूड़िया खास	,,	,,	,,	,,
१२०	,, आमाझिर	,,	,,	,,	,,
१२१	,, हसनाबाद	,,	,,	,,	,,
१२२	,, सेवनिया	,,	,,	,,	,,
१२३	,, काहिरा-कदीम	,,	,,	,,	,,
१२४	,, लसूड़िया-धाकड़	,,	,,		,,
१२५	,, कराड़िया-भील	,,	,,	,,	,,
१२६	,, नयापुरा	,,	,,	,,	,,
१२७	,, मुगीसपुर	,,	,,	,,	,,
१२८	,, बकतल	,,	,,	,,	,,
१२९	,, कन्या मोगराम	,,	बालिका	,,	,,
१३०	प्रा शाला सेमरी कला	,,	बालक	,,	,,
१३१	,, श्यामपुर	,,	,,	,,	श्यामपुर
१३२	कन्या श्यामपुर	,,	बालिका	,,	,,
१३३	,, खण्डवा	,,	,,	,,	,,
१३४	प्रा शाला पपड़याला	,,	बालक	,,	,,
१३५	,, बमूलिया	,,	,,	,,	,,
१३६	,, गोपालपुरा	,,	,,	,,	,,
१३७	,, हिंगोली	,,	,,	,,	,,
१३८	,, बड़ली	,,	,,	,,	,,
१३९	प्रा.शाला पानबिहार	शास	बालक	सीहोर	श्यामपुर
१४०	,, रामनखेड़ा	,,	,,	,,	,,
१४१	,, कादमपुर	,,	,,	,,	,,
१४२	,, गुलखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१४३	,, घाट पलासी	,,	,,	,,	,,
१४४	,, बैरागढ़ खुमान	,,	,,	,,	,,
१४५	,, निवारिया	,,	,,	,,	,,

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
१४६	,, कादराबाद	शास.	,,	,,	,,
१४७	,, सरखेड़ा	,,	,,	,,	,,
१४८	,, धोबीखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१४९	,, मुहाली	,,	,,	,,	,,
१५०	,, डोबरा	,,	,,	,,	,,
१५१	,, छापरी	,,	,,	,,	,,
१५२	,, दुपाड़िया दांगी	,,	,,	,,	,,
१५३	,, खजूरिया-खुर्द	,,	,,	,,	,,
१५४	,, मगरखेड़ा	,,	,,	,,	,,
१५५	,, नोनीखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१५६	,, करंजखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१५७	,, निवारिया खुर्द	,,	,,	,,	,,
१५८	,, मित्तूखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१५९	,, देवली	,,	,,	,,	,,
१६०	,, लौंदिया	,,	,,	,,	,,
१६१	,, धनखेड़ी	,,	,,	,,	,,
१६२	,, शेखपुरा	,,	,,	,,	,,
१६३	,, रोला	,,	,,	,,	,,
१६४	,, कपूरी	,,	,,	,,	,,
१६५	,, मानपुरा	,,	,,	,,	,,
१६६	,, कोडिया छीतू	,,	,,	,,	,,
१६७	प्रा.शाला जाकाखेड़ी	शास.	बालक	सीहोर	श्यामपुर
१६८	,, रामपुर	,,	,,	,,	,,
१६९	,, प्रा विभा. सोंठी	,,	,,	,,	,,
१७०	,, खजूरिया कलां	,,	,,	,,	,,
१७१	,, सेमरा दांगी	,,	,,	,,	,,
१७२	,, निपानिया कला	,,	,,	,,	,,
१७३	,, जोनपुर बावड़िया	,,	,,	,,	,,
१७४	,, सिराड़ी	,,	,,	,,	,,
१७५	,, मुख्तारनगर	,,	,,	,,	,,
१७६	,, खण्डवा	,,	,,	,,	,,

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
१७७	" कचनारिया	शास.	"	"	"
१७८	" आदर्श प्रा शाला दौराहा	"	"	"	दौराहा
१७९	तिल.प्रा शाला दौरा.	"	"	"	"
१८०	क प्रा विभा दौराहा	"	बालिका	"	"
१८१	प्रा शाला बरखेड़ा हस	"	बालक	"	"
१८२	कन्या	"	बालिका	"	"
१८३	" अहमदपुर	"	"	"	"
१८४	कन्या अहमदपुर	"	बालिका	"	"
१८५	" चरनाल	"	बालक	"	"
१८६	" खाइखेड़ा	"	"	"	"
१८७	" झरखेड़ा	"	"	"	"
१८८	" पाटन	"	"	"	"
१८९	" बिछिया	"	"	"	"
१९०	" जमोनिया खुर्द	"	"	"	"
१९१	" आछारोई	"	"	"	"
१९२	" अजमतनगर	"	"	"	"
१९३	" कोलूखेड़ी	"	"	"	"
१९४	प्रा.शाला कतपोन	शास.	बालक	सीहोर	दौराहा
१९५	" खुशामदा	"	"	"	"
१९६	" गवां	"	"	"	"
१९७	" चांदबढ़	"	"	"	"
१९८	" छत्री	"	"	"	"
१९९	" छतरपुरा	"	"	"	"
२००	" झागरिया	"	"	"	"
२०१	" तौरनियाँ	"	"	"	"
२०२	" देहरी	"	"	"	"
२०३	" दुरगाँव	"	"	"	"
२०४	" नबीपुर	"	"	"	"
२०५	" नाईहेड़ी	"	"	"	"
२०६	" पीलूखेड़ी	"	"	"	"
२०७	" पीपलखेड़ा	"	"	"	"
२०८	" पाटेर	"	"	"	"
२०९	" बदरका सोनी	"	"	"	"
२१०	" बरखेड़ी	"	"	"	"
२११	" बरखेड़ा–खरेट	"	"	"	"
२१२	" बरखेड़ा दैवा	"	"	"	"
२१३	" बरारी-कलां	"	"	"	"
२१४	" बनखेड़ा	"	"	"	"
२१५	" बाजार	"	"	"	"
२१६	" बासियां	"	"	"	"
२१७	" महुआखेड़ा प्र.	"	"	"	"
२१८	" महुआखेड़ा द्वितीय	"	"	"	"
२१९	" मगरदा	"	"	"	"
२२०	" मगरदी	"	"	"	"
२२१	प्रा शाला मन्नेड़ा	शास	बालक	सीहोर	दौराहा
२२२	" मण्डखेड़ा	"	"	"	"
२२३	" मानपुरा	"	"	"	"
२२४	" मीराठी	"	"	"	"
२२५	" मुंगावली	"	"	"	"
२२६	" मेडोरा	"	"	"	"
२२७	" रसूलपुरा	"	"	"	"
२२८	" लोधीपुरा	"	"	"	"
२२९	" शाहजहाँपुर	"	"	"	"
२३०	" सातनवाड़ी	"	"	"	"
२३१	" सांकला	"	"	"	"
२३२	" सिकन्दरापुरा	"	"	"	"
२३३	" सीलखेंड़ा	"	"	"	"
२३४	" सुल्तानपुरा	"	"	"	"
२३५	" सुआखेड़वि	"	"	"	"
२३६	" सौनकच्छ	"	"	"	"
२३७	" हसनपुरा	"	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास. अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
२३८	" हतियाखेड़ा	"	"	"	"
२३९	" हिनौती	"	"	"	"
२४०	" सनखेड़ा	"	"	"	"
२४१	" मौतीपुरा	"	"	"	"
२४२	" भोज	"	"	"	"
२४३	" सतारनियाँ	"	"	"	"
२४४	" पाड़लिया	"	"	"	"
२४५	" पठेरा	"	"	"	"
२४६	" रामजाखेड़ा	"	"	"	"
२४७	" तकिया	"	"	"	"
२४८	प्रा.विभा. इछा.क्र-३	शास.	बालक	इछा	इछावर प्र.
२४९	कन्या शाला इछावर	शास.	बालिका	"	"
२५०	प्रा.विभाग आर्या	"	बालक	"	"
२५१	" झालकरी	"	"	"	"
२५२	" खेरी	"	"	"	"
२५३	" चैनपुरा	"	"	"	"
२५४	" बोरदी कलां	"	"	"	"
२५५	" नयापुरा	"	"	"	"
२५६	" रामदासी	"	"	"	"
२५७	" दौलतपुर	"	"	"	"
२५८	" आबिदाबाद	"	"	"	"
२५९	प्रा.शाला आमलानी	"	"	"	"
२६०	" उमरावाल	"	"	"	"
२६१	" कनैरिया	"	"	"	"
२६२	" कल्याणपुरा	"	"	"	"
२६३	" कुशुलपुरा	"	"	"	"
२६४	" कुण्डीखाल	"	"	"	"
२६५	" गऊखेड़ी	"	"	"	"
२६६	" गुराड़ी	"	"	"	"
२६७	" जमोनिया-फतेपुर	"	"	"	"
२६८	" जामली	"	"	"	"
२६९	" सरखेड़ा	"	"	"	"
२७०	" दुदलई	"	"	"	"
२७१	" नादान	"	"	"	"
२७२	" नीलबढ़	"	"	"	"
२७३	" निपानियाँ	"	"	"	"
२७४	" बड़ौड़ियाँ	"	"	"	"
२७५	" बावड़िया-चौर	"	"	"	"
२७६	प्रा.शाला बाव.गुसाई	शास	बालक	इछावर	इछावरप्र.
२७७	" वीरपुरा	"	"	"	"
२७८	" मूड़ला	"	"	"	"
२७९	" रतनपुर	"	"	"	"
२८०	" लाल्याखेड़ी	"	"	"	"
२८१	" शोहपुरा	"	"	"	"
२८२	" सेवनियाँ	"	"	"	"
२८३	" हरतपुर	"	"	"	"
२८४	" हिम्मतपुरा	"	"	"	"
२८५	" निबूखेड़ा	"	"	"	"
२८६	" बागनखेड़ा	"	"	"	"
२८७	" सारस	"	"	"	"
२८८	" ब्रिजिशनगर	"	"	"	"
२८९	" फागिया	"	"	"	"
२९०	" अलीपुर	"	"	"	"
२९१	" ईटखेड़ा	"	"	"	"
२९२	" दिवड़िया	"	"	"	"
२९३	कन्या ब्रिजिसनगर	"	बालिका	"	"
२९४	" दिवड़िया	"	"	"	"
२९५	" झालकी	"	"	"	"
२९६	प्रा.विभा इछावर प्र.	"	बालक		इछावर द्वि.
२९७	" इछावर द्वि.	"	"	"	"
२९८	" भाऊखेड़ी	"	"	"	"
२९९	" अमलाहा	"	"	"	"
३००	" धामन्दा	"	"	"	"
३०१	" रामनगर	"	"	"	"
३०२	" बिशनखेड़ी	"	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास. अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
३०३	प्रा. विभाग सेमली जदीद	शास.	बालक	इछावर	द्वि·
३०४	„ नरसिंहखेड़ा	„	„	„	„
३०५	„ आमलारामजीपुरा	„	„	„	„
३०६	„ पांगरा	„	„	„	„
३०७	„ गोलूखेड़ी	„	„	„	„
३०८	प्रा. शा सिराड़ी	„	„	„	„
३०९	„ पालखेड़ी	„	„	„	„
३१०	„ मोलगा	„	„	„	„
३११	„ हालियाखेड़ी	„	„	„	„
३१२	„ बालापुरा	„	„	„	„
३१३	„ ढाबलामाता	„	„	„	„
३१४	„ मोगरा	„	„	„	„
३१५	„ लसूड़ियाकांगर	„	„	„	„
३१६	„ कालापीपल	„	„	„	„
३१७	„ राजूखेड़ी	„	„	„	„
३१८	„ बावड़िया-नोआ	„	„	„	„
३१९	„ मुवाड़ा	„	„	„	„
३२०	„ रामगढ़	„	„	„	„
३२१	„ कोकरखेड़ा	„	„	„	„
३२२	„ लसूड़ियाराम	„	„	„	„
३२३	„ जमौनिया हटेसि	„	„	„	„
३२४	क प्रा. भाऊखेड़ी	„	बालिका	„	„
३२५	„ सुकलिया हंसरा	„	बालक	„	„
३२६	„ रामपुरा	„	„	„	„
३२७	„ तौरनिया	„	„	„	„
३२८	„ नागली	„	„	„	„
३२९	„ दुर्गापुरा	„	„	„	„
३३०	„ लाऊखेड़ी	„	„	„	„
३३१	„ लसूडिया	„	„	„	„
३३२	„ बरखेड़ाकु.	„	„	„	„
३३३	„ सतपीपलिया	„	„	„	„
३३४	„ ढाबलाराय	„	„	„	„
३३५	„ जाटखेड़ी	„	„	„	„
३३६	„ खजूरियाघें	„	„	„	„
३३७	„ लसूड़िया गो	„	„	„	„
३३८	„ भाराखेड़ी	„	„	„	„
२३९	„ छापरी ता.	„	„	„	„
३४०	„ कुल्हाड़ी	„	„	„	„
३४१	„ मोहनपु लेडी	„	„	„	„
३४२	क.प्र.शा. धामन्दा	„	बालिका	„	„
३४३	„ बिधोली	„	बालक	„	„
३४४	„ भगवतपुर	„	„	„	„
३४५	„ पटारियासो	„	„	„	„
३४६	„ मोहनपुरा नो.	„	„	„	„
३४७	„ जोगड़ाखेड़ी	„	„	„	„
३४८	„ कालिय खे.	„	„	„	„
३४९	„ भोलाखेड़ी	„	„	„	„
३५०	„ कुंडी	„	„	„	„
३५१	क.प्रा.शा. अलीपुर	„	बालिका	आष्टा	आष्टा प्र.
३५२	क प्रा शा बुधवारा	„	„	„	„
३५३	„ अलीपुर	„	बालक	„	„
३५४	„ बमूलियाभा.	„	„	„	„
३५५	„ बेदाखेड़ी	„	„	„	„
३५६	„ गवाखेड़ा	„	„	„	„
३५७	„ निपानियाँ	„	„	„	„
३५८	„ भौरां	„	„	„	„
३५९	„ बागेर	„	„	„	„
३६०	„ हरजिखेड़ी	„	„	„	„
३६१	क प्रा. कोठरी	शास.	बालिका	„	„
३६२	„ हरि.पु.कोठरी	„	बालक	„	„
३६३	„ अरनियाजो	„	„	„	„
३६४	„ अरनियारा	„	„	„	„

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
३६५	देवली	"	"	"	"
३६६	बड़झिरी	"	"	"	"
२६७	भटोनी	"	"	"	"
३६८	सेवखेड़ी	"	"	"	"
३६९	मैनाखेड़ी	"	"	"	"
३७०	मुल्लानी	"	"	"	"
३७१	दीपाखेड़ी	"	"	"	"
३७२	कचनारिया	"	"	"	"
३७३	बोरखेड़ा	"	"	"	"
३७४	मानाखेड़ी	"	"	"	"
३७५	गाड़राखेड़ी	"	"	"	"
३७६	लसूड़ियाखा	"	"	"	"
३७७	मोरखेड़ी	"	"	"	"
३७८	कानराखेड़ी	"	"	"	"
३७९	भीलखेड़ी	"	"	"	"
३८०	रसुलपुरा	"	"	"	"
३८१	सामरदा	"	"	"	"
३८२	अतरालिया	"	"	"	"
३८३	शोभाखेड़ी	"	"	"	"
३८४	बफापुर	"	"	"	"
३८५	बिलेरामा	"	"	"	"
३८६	मुबारिकपुर	"	"	"	"
३८७	बापचा	"	"	"	"
३८८	गुरा.रुपचंद	"	"	"	"
३८९	मुंगली	"	"	"	"
३९०	दोनियाँ	"	"	"	"
३९१	अरनियाद.	"	"	"	"
३९२	पांगरी	"	"	"	"
३९३	भौरांसा	"	"	"	"
३९४	जाफराबाद	"	"	"	"
३९५	जताखेड़ा	"	"	"	"
३९६	सेंधोखेड़ी	"	"	"	"
३९७	आनन्दीपुरा	"	"	"	"
३९८	मोहम्मदपुर	"	"	"	"
३९९	उमरपुर	"	"	"	"
४००	बमूलियाखी.	"	"	"	"
४०१	खानदोरापुर	"	"	"	"
४०२	कोटरीबालम	"	"	"	"
४०३	मगरखेड़ी	"	"	"	"
४०४	पारवागोसाई	"	"	"	"
४०५	क.प्रा. नजरगंज	आष्टा	बालिका	"	"
४०६	रोलागांव	"	"	"	"
४०७	प्रा.वि.बुधवारा	आष्टा	बालक	"	"
४०८	नजरगंज	"	"	"	"
४०९	किला आष्टा		"	"	"
४१०	प्रा.विभा.हकीमाबाद	शा. बालक आष्टा		आष्टा द्वि.	
४११	डाबरी	"	"	"	"
४१२	कन्नोज मिर्जी	"	"	"	"
४१३	खामखेड़ा जातरा	"	"	"	"
४१४	रोलागांव	"	"	"	"
४१५	प्रा.शाला भरदाखेड़ी	"	"	"	"
४१६	डूका	"	"	"	"
४१७	धनाना	"	"	"	"
४१८	मूंदाखेड़ी	"	"	"	"
४१९	टांडा	"	"	"	"
४२०	लोरासकलां	"	"	"	"
४२१	छापरी	"	"	"	"
४२२	चाचाखेड़ी	"	"	"	"
४२३	लसूड़िया सूखा	"	"	"	"
४२४	चुपाड़िया	"	"	"	"
४२५	मालीखेड़ी	"	"	"	"
४२६	दुपाड़ियाँ	"	"	"	"
४२७	काजीखेड़ी	"	"	"	"
४२८	भगवानपुर	"	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
४२९	,, रिछाड़िया	,,	,,	,,	,,
४३०	,, लसूड़ियाँ विजयसिंह	,,	,,	,,	,,
४३१	,, नानकपुर	,,	,,	,,	,,
४३२	,, दीपलाखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४३३	,, भेमदाखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४३४	,, पालड़िया	,,	,,	,,	,,
४३५	,, अरोलियाँ	,,	,,	,,	,,
४३६	क.प्रा.शाला अरोलियाँ	,,	बालिका	,,	,,
४३७	प्रा.शाला ताजपुर	शास.	बालक	आष्टा	आष्टा द्वि.
४३८	,, चापरसी	,,	,,	,,	,,
४३९	,, जगमालपुर	,,	,,	,,	,,
४४०	,, नवरंगपुर	,,	,,	,,	,,
४४१	,, गुराड़िया सिरो.	,,	,,	,,	,,
४४२	,, भुफोड़	,,	,,	,,	,,
४४३	,, बड़ोदिया गाडरी	,,	,,	,,	,,
४४४	,, श्यामपुर टप्पा	,,	,,	,,	,,
४४५	,, झरखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४४६	,, बढ़घाटी	,,	,,	,,	,,
४४७	,, भीलखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४४८	,, पीपलिया चमार	,,	,,	,,	,,
४४९	,, खोनियापुरा	,,	,,	,,	,,
४५०	,, किल्लोद	,,	,,	,,	,,
४५१	,, छापर	,,	,,	,,	,,
४५२	,, गुराड़िया बापचा	,,	,,	,,	,,
४५३	,, बड़खोला	,,	,,	,,	,,
४५४	,, भलीपुरा	,,	,,	,,	,,
४५५	,, बड़लिया बरामद	,,	,,	,,	,,
४५६	,, सिगार चोरी	,,	,,	,,	,,
४५७	,, खाचरोद	,,	,,	,,	,,
४५८	,, जस्सुपुरा	,,	,,	,,	,,
४५९	,, पिरानाखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४६०	,, आख्यागांजी	,,	,,	,,	जावर
४६१	,, करमनखेड़ी	,,	,,	,,	जावर
४६२	,, सेकूखेड़ा	,,	,,	,,	,,
४६३	,, खजूरियाँ	,,	,,	,,	,,
४६४	प्रा.शाला. जावर	शास.	बालक	आष्टा	जावर
४६५	,, मैना	,,	,,	,,	,,
४६६	,, बैजनाथ	,,	,,	,,	,,
४६७	,, हरनावदा	,,	,,	,,	,,
४६८	,, हरनियागांव	,,	,,	,,	,,
४६९	,, बमूलिया	,,	,,	,,	,,
४७०	,, कून्डिया नाथू	,,	,,	,,	,,
४७१	,, मून्डला चौकी	,,	,,	,,	,,
४७२	,, परोलिया	,,	,,	,,	,,
४७३	,, टिटोरियां	,,	,,	,,	,,
४७४	,, अरोलिया	,,	,,	,,	,,
४७५	,, बाजखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४७६	,, बीसुखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४७७	,, बगड़ावदा	,,	,,	,,	,,
४७८	,, चन्नोटा	,,	,,	,,	,,
४७९	,, दरखेड़ा	,,	,,	,,	,,
४८०	,, गोपालपुरा	,,	,,	,,	,,
४८१	,, गोंदी	,,	,,	,,	,,
४८२	,, गऊखेड़ी	,,	,,	,,	,,
४८३	,, हाजीपुरा	,,	,,	,,	,,
४८४	,, हसनपुर खेड़ी	,,	,,	,,	,,
४८५	,, हर्कीमपुर	,,	,,	,,	,,
४८६	,, जीवापुरा	,,	,,	,,	,,
४८७	,, कुमड़ावदा	,,	,,	,,	,,
४८८	,, केशवपुर	,,	,,	,,	,,
४८९	,, कल्याणपुरा	,,	,,	,,	,,
४९०	,, कमालपुर खेड़	,,	,,	,,	,,
४९१	प्रा.शाला कालापीपल	शास.	बालक	आष्टा	जावर
४९२	,, कान्या खेड़ी	,,	,,	,,	,,

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
४९३	लोरासखुर्द	"	"	"	जावर
४९४	मूंडला मैना	"	"	"	"
४९५	पलासी	"	"	"	"
४९६	पावखेड़ी	"	"	"	"
४९७	पटारिया	"	"	"	"
४९८	शंभूखेड़ी	"	"	"	"
४९९	सांवतखेड़ी	"	"	"	"
५००	सूलखेड़ी	"	"	"	"
५०१	टिगरिया	"	"	"	"
५०२	कन्या कुरावर	"	बालिका	"	"
५०३	खड़ी	"	"	"	"
५०४	कजलास	"	"	"	"
५०५	सेवदा	"	"	"	"
५०६	प्रा. विभाग खड़ी	"	बालक	"	"
५०७	खामखेड़ा	"	"	"	"
५०८	कजलास	"	"	"	"
५०९	मुरावर	"	"	"	"
५१०	सेवदा	"	"	"	"
५११	फूंडरा	"	"	"	"
५१२	भौरीकला	"	"	"	"
५१३	प्रा.शा.क.प्रा वि.जा	"	बालिका	"	"
५१४	मैना	"	"	"	"
५१५	प्रा विभा. कुरावर	,,	बालक	"	"
५१६	क.प्रा.शाला खामखेड़ा	"	बालिका	,,	"
५१७	प्रा.शाला कुण्डिया धागा	शा.	बालक	आष्टा	मेतवाड़ा
५१८	सेमली वारी	,,	"	"	"
५१९	झिकड़ी	"	"	"	"
५२०	बीलपान	"	"	"	"
५२१	खटसूरा	"	"	"	"
५२२	मानाखेड़ी	"	"	"	"
५२३	इस्माई खड़ी	"	"	"	"
५२४	ग्वाला	"	"	"	"
५२५	बरछापुरा	"	"	"	"
५२६	सामरी	"	"	"	"
५२७	बादागुराड़िया	"	"	"	"
५२८	पीपलियाँ	"	"	"	"
५२९	अतरालियाँ	"	"	"	"
५३०	भाऊखेड़ी	"	"	"	"
५३१	झिलेला	"	"	"	"
५३२	मुंदीखेड़ी	"	"	"	"
५३३	डोंडी	"	"	"	"
५३४	काकरियाँ खेड़ी	"	"	"	"
५३५	रूपेटा	"	"	"	"
५३६	रूपाहेड़ा	"	"	"	"
५३७	भेरूपुर	"	"	"	"
५३८	मिर्जापुर	,,	"	"	"
५३९	पगारिया	"	"	"	"
५४०	परौलिया	"	"	"	"
५४१	बरखेड़ा	"	"	"	"
५४२	पारदीखेड़ी	,,	,,	"	"
५४३	बादरियाँ-हाट	,,	,,	,,	,,
५४४	प्रा.शाला आमला मज्जू	शा.	बालक	आष्टा	मेतवाड़ा
५४५	गाजना	,,	"	"	"
५४६	उरली	"	"	"	"
५४७	कुरलीकलां	"	"	"	"
५४८	लाखियाँ	"	"	"	"
५४९	अमरपुरा	"	"	"	"
५५०	गुराड़िया-खुर्द	,,	"	"	"
५५१	देवनखेड़ी	,,	"	"	"
५५२	रामपुर कलां	,,	,,	,,	,,
५५३	उदयपुर जांगीर	,,	"	"	"
५५४	नौगाँव	,,	"	"	"
५५५	बापचा बरामद	,,	"	"	"
५५६	पीपल्याराय	,,	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
५५७	,, पगारिया हाट,	,,	,,	,,	,,
५५८	,, नीलबढ़ ,	,,	,,	,,	,,
५५९	,, कातला ,,	,,	,,	,,	,,
५६०	,, धींगाखेड़ी ,,	,,	,,	,,	,,
५६१	,, धराड़ाकलां ,,	,,	,,	,,	,,
५६२	,, पीथापुरा ,,	,,	,,	,,	,,
५६३	,, श्यामपुरा ,,	,,	,,	,,	,,
५६४	,, नरपाखेड़ी ,,	,,	,,	,,	,,
५६५	कन्या खजूरिया-कासम,	बालिका	,,	,,	,,
५६६	,, सिदीकीगंज ,,	,,	,,	,,	,,
५६७	प्रा. बि. मेतवाड़ा ,,	बालक	,,	,,	,,
५६८	क. प्रा. शाला मेत. ,,	बालिका	,,	,,	,,
५६९	प्रा.विभाग ग्वाली ,,	बालक	,,	,,	,,
५७०	,, गुराड़िया वर्मा ,,	,,	,,	,,	,,
५७१	प्रा.वि.खजूरिया कासम	शा. बालक	आष्टा	मेतवाड़ा	
५७२	,, लसूड़िया पाट ,,	,,	,,	,,	,,
५७३	,, जस्मत ,,	,,	,,	,,	,,
५७४	,, सिदीकीगंज ,,	,,	,,	,,	,,
५७५	प्रा.शाला गोविंदपुर ,,	,,	,,	,,	,,
५७६	क.प्रा वि बुधनीघाट ,,	,,	,,	,,	,,
५७७	,, शाला बुधनी ,,	,,	,,	,,	,,
५७८	प्रा शाला बुधनी ,,	,,	,,	,,	,,
५७९	प्रा विभा टी.डी सी. ,,	,,	,,	,,	,,
५८०	,, जोशीपुर ,,	,,	,,	,,	,,
५८१	,, बायां ,,	,,	,,	,,	,,
५८२	क.प्रा विभा. बुधनी ,,	,,	,,	,,	,,
५८३	प्रा. ,, पानगुराड़िया,	,,	,,	,,	,,
५८४	,, जहाजपुरा ,,	,,	,,	,,	,,
५८५	,, नीनोर ,,	,,	,,	,,	,,
१८६	प्रा शाला ग्वाड़िया ,,	,,	,,	,,	,,
५८७	,, तालपुरा ,,	,,	,,	,,	,,
५८८	,, फगवाड़ा ,,	,,	,,	,,	,,

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
५८९	,, जर्राघुर ,,	,,	,,	,,	,,
५९०	,, पीलीकरार ,,	,,	,,	,,	,,
१९१	,, पांडाडों ,,	,,	,,	,,	,,
५९२	,, हालीपुरा ,,	,,	,,	,,	,,
५९३	,, मकोड़िया ,,	,,	,,	,,	,,
५९४	,, दौपाखेडा ,,	,,	,,	,,	,,
५९५	,, मुर्रा ,,	,,	,,	,,	,,
१९६	,, पींधौरा ,,	,,	,,	,,	,,
५९७	,, मांधनी ,,	,,	,,	,,	,,
५९८	प्रा.शाला चारुआ,	शास. बालक	बुधनी	बुधनी	
५९९	,, महुकलां ,,	,,	,,	,,	,,
६००	,, माना ,,	,,	,,	,,	,,
६०१	क.प्रा.शाला बायां ,,	बालिका	,,	,,	,,
६०२	बालक ऊंचाखेंड़ा ,,	बालक	,,	,,	,,
६०३	,, नीमखेड़ा ,,	,,	,,	,,	,,
६०४	,, पांगरा ,,	,,	,,	,,	,,
५०५	,, नीलकछार ,,	,,	,,	,,	,,
६०६	,, फुलाड़ा ,,	,,	,,	,,	,,
५०७	,, इटारसी ,,	,,	,,	,,	,,
६०८	,, जमोनिया ,,	,,	,,	,,	,,
६०९	,, रामनगर ,,	,,	,,	,,	,,
५१०	,, बैरखेड़ी ,,	,,	,,	,,	,,
६११	,, पातालखो ,,	,,	,,	,,	,,
६१२	कन्या विभाग रेहटी ,,	बालिका	,,	रेहटी	
६१३	प्रा शाला रेहटी ,,	बालक	,,	,,	
६१४	प्रा विभाग मोगरा ,,	,,	,,	,,	,,
६१५	,, मरदानपुर ,,	,,	,,	,,	,,
६१६	,, भड़कुल ,,	,,	,,	,,	,,
६१७	शाला माली बायां ,,	,,	,,	,,	,,
६१८	,, सागोनियां ,,	,,	,,	,,	,,
६१९	,, बौरी ,,	,,	,,	,,	,,
६२०	,, सेमरी ,,	,,	,,	,,	,,

क्र०	विद्यालय का नाम	शास. अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
६२१	» जमोनिया	»	»	»	»
६२२	» खनपुरा	»	»	»	»
६२३	» मंथार	»	»	»	»
६२४	प्रा.विभाग खेरी	»	बालक	»	रेहटी
६२५	प्रा. शाला झोलिया	»	»	»	»
६२६	» बोरधी	»	»	»	»
६२७	» गेहूखेड़ा	»	»	»	»
६२८	» गोडी गुराड़िया	»	»	»	»
६२९	» ककरदा	»	»	»	»
६३०	» खड़ली	»	»	»	»
६३१	» बरखेड़ा	»	»	»	»
६३२	» सांबलखेड़ा	»	»	»	»
६३३	» नेहलाई	»	»	»	»
६३४	» वासनिया	»	»	»	»
६३५	» जाजना	»	»	»	»
६३६	,, महागांव	»	»	»	»
६३७	» रेऊगाँव	»	»	»	»
६३८	» बेहरागांव	»	»	»	»
६३९	» मांजरकुई	»	»	»	»
६४०	» नयागांव	»	»	»	»
६४१	» सलकनपुर	»	»	»	»
६४२	,, मकोड़िया	,,	»	»	»
६४३	» आंवलिघाट	»	»	»	»
६४४	,, गांजीत	»	»	»	»
६४५	,, कोलार कालोनी	,,	»	»	»
६४६	क. प्रा. वि शाहगंज	»	बालिका	»	»
६४७	प्रा. विभाग अकोला	»	बालक	»	»
६४८	,, गादर	»	,,	»	»
६४९	,, डोबी	,,	,,	»	»
६५०	,, डुंगरिया	,,	,,	»	»
६५१	,, जोनतला	»	»	»	»
६५२	,, नांदनेर	»	»	»	»
६५३	,, सरदार नगर	»	»	»	»
६५४	क.प्रा.शाला बकतरा	»	बालिका	»	»
६५५	प्रा शाला आमोन	,,	»	»	»
६५६	» इटवार	»	»	»	»
६५७	,, कुसुमखेड़ा	»	»	»	»
६५८	प्रा शाला कोसमी	शास.	बालक	बुधनी	शाहगंज
६५९	,, खटपुरा	»	»	»	»
६६०	,, खितवाई	»	»	»	»
६६१	,, खिरिया कुर्मी	»	»	»	»
६६२	,, खवांदा	»	»	»	»
६६३	,, खौहा	»	»	»	»
६६४	» पुरवाड़िया	»	»	,,	,,
६६५	,, चिकली	»	»	»	»
६६६	» जहानपुर	»	»	»	»
६६७	» जवाहरखेडा	»	»	»	»
६६८	» जैत	»	»	»	»
६६९	» जेनवासा	»	»	»	»
६७०	» ठिकरी	»	»	»	»
६७१	» बिल्लौर	»	»	»	»
६७२	» देहरी खुर्द	»	»	»	»
६७३	» नीमटोन	»	»	»	»
६७४	» नीमखेड़ी	»	»	»	»
६७५	» नोनभेंट	»	»	»	»
६७६	» नारायणपुर	»	»	»	»
६७७	» परतवाड़ा	»	»	»	»
६७८	» पहाड़खेड़ी	»	»	»	,,
६७९	» पीपलियाँ	»	»	»	»
६८०	» बनेटा	»	»	»	,,
६८१	» बकतरा	»	,,	»	»
६८२	» बीसाखेड़ी	»	»	»	»
६८३	» बोरना	,,	»	»	»
६८४	» मण्ढ़ावन	,,	»	,,	,,

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
६८५	„ मछबाई	„	„	„	„
६८६	„ रमपुर बोदा	„	„	„	„
६८७	„ शाहगंज	„	„	„	„
६८८	„ सईदगंज	„	„	„	„
६८९	„ सूदीन	„	„	„	„
६९०	प्रा.शाला सुदानिया	शास	बालक	„	„
६९१	„ सतरामऊ	„	„	„	„
६९२	„ सागपुर	„	„	„	„
६९३	„ सियागेन	„	„	„	„
६९४	„ सिलगेना	„	„	„	„
६९५	„ हिरानी	„	„	„	„
६९६	„ हथनोरा	„	„	„	„
६९७	प्राथ.विभाग राला	„	„	नसरूल्लागंज	नसरू. १
६९८	„ सतराना	„	„	„	„
६९९	प्रा.शाला कलवाना	„	„	„	„
७००	„ आभरा	„	„	„	„
७०१	„ मलाजपुर	„	„	„	„
७०२	„ बोरघाटी	„	„	„	„
७०३	„ नांदियाखेड़ा	„	„	„	„
७०४	प्रा विभाग दिगवाड़ा	„	„	„	„
७०५	प्रा.शाला महागाँव	„	„	„	„
७०६	„ चन्दपुरा	„	„	„	„
७०७	„ वासनिया	„	„	„	„
७०८	„ श्यामूगाँव	„	„	„	„
७०९	„ इमलाहा	„	„	„	„
७१०	प्रा.विभा.डिमावर	„	„	„	„
७११	प्रा. शाला बावरी	„	„	„	„
७१२	„ खण्डगाँव	„	„	„	„
७१३	„ छितगाँव	„	„	„	„
७१४	„ बढ़गाँव	„	„	„	„
७१५	„ आम्बा	„	„	„	„
७१६	„ चींच	„	„	„	„

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
७१७	„ अतरालिया	„	„	„	„
७१८	प्रा.शालामछली	शास	बालक	„	„
७१९	„ मंडी	„	„	„	„
७२०	„ बिलाड़िया	„	„	„	„
७२१	„ नीलकंठ	„	„	„	„
७२२	„ बोरखेड़ी	„	„	„	„
७२३	„ धोलपुर	„	„	„	„
७२४	„ बालागाँव	„	„	„	„
७२५	„ सतदेव	„	„	„	„
७२६	„ जमौनिया	„	„	„	„
७२७	„ सीलकंट	„	„	„	„
७२८	„ हारियाखेड़ी	„	„	„	„
७२९	„ चारसाखेड़ी	„	„	„	„
७३०	„ पाँड़ागाँव	„	„	„	„
७३१	„ टिगाली	„	„	„	„
६३२	„ इटारसी	„	„	„	„
७३३	„ छीपानेर	„	„	„	„
७३४	क.प्रा.शाला छीपानेर	„	बालिका	„	„
७ ५	प्रा.शाला बगवाड़ा	„	बालक	„	„
७३६	„ रानीपुरा	„	„	„	„
७३७	„ नारायणपुरा	„	„	„	„
७३८	„ गोपालपुरा	„	„	„	„
७३९	„ बाजगाँव	„	„	„	„
७४०	„ सुमनताल	„	„	„	„
७४१	„ सीगाँव	„	„	„	„
७४२	„ ससली	„	„	„	„
७४३	„ बाईबोड़ी	„	„	„	„
७४४	„ बरखेड़ी	„	„	„	„
७४५	„ चीचली	„	„	„	„
७४६	„ बोरखेड़ा खुर्द	„	„	„	„
७४७	„ किसनपुर	„	„	„	„
७४८	„ मोहाई	„	„	„	„

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
७४९	" पीपलानी	"	"	"	"
७५०	" इटावा-खुर्द	"	"	"	"
७५१	" हमीदगंज	"	"	"	"
७५२	प्रा.शाला. छुटवानी	शास	बालक	"	"
७५३	" फड़की	"	"	"	"
७५४	" घोंघरा	"	"	"	"
७५५	क. प्रा. शाला नसरू	"	बालिका	"	"
७५६	प्रा.शाला नसरु. गंज	"	बालक	"	"
७५७	" उर्दू मीडियम	"	"	"	"
७५८	" रंजनखेड़ी	"	"	"	"
७५९	" सोठिया	"	"	"	"
७६०	" रिछाड़िया	"	"	"	"
७६१	" पाड़लिया	"	"	"	"
७६२	प्रा.विभा.चकल्दी	"	"	"	नसरू. २
७६३	क.प्रा.शाला चकल्दी	"	बालिका	"	"
७६४	प्रा शाला अमीरगंज	"	बालक	"	"
७६५	" ढाबा	"	"	"	"
७६६	" सेमलपानी जदीद	"	"	"	"
७६७	प्रा वि नरेला	"	"	"	"
७६८	" ताजपुरा	"	"	"	"
७६९	" वानियागांव	"	"	"	"
७७०	" कोटरा	"	"	"	"
७७१	" नादियाखेड़ा	"	"	"	"
७७२	" खजूरी फारेस्ट	"	"	"	"
७७३	" आगड़ो	"	"	"	"

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./ अशा.	संस्था का प्रकार	विकास खण्ड	वृत (सहा. जि. शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
७७४	" सोयत	"	"	"	"
७७५	प्रा.शाला चिचलाहा	"	"	"	"
७७६	प्रा विभा.नन्दगांव	"	"	"	"
७७७	क.प्रा.शाला नंदगांव	"	बालिका	"	"
७७८	प्रा शाला निपानियां	"	"	"	"
७७९	" खनपुरा	"	"	"	"
७८०	" पीपलकोटा	"	"	"	"
७८१	" नेहरुगांव	"	"	"	"
७८२	" खात्याखेड़ी	"	"	"	"
७८३	क प्रा.शाला लाड़कुई	"	बालिका	"	"
७८४	प्राथ.शाला लाड़कुई	"	बालक	"	"
७८५	प्राथ.शाला पाचौर	शास.	बालक	"	"
७८६	" रिछवाड़	"	"	"	"
७८७	" हाथीघाट	"	"	"	"
७८८	" नहारखेड़ा	"	"	"	"
७८९	" लाचोर	"	"	"	"
७९०	" ठाठियां	"	"	"	"
७९१	प्राथ.विभा.भादाकुई	"	"	"	"
७९२	प्राथ शाला छीतगांव	"	"	"	"
७९३	" बाईसात	"	"	"	"
७९४	" गुलरपुरा	"	"	"	"
७९५	" पलासीकलां	"	"	"	"
७९६	प्राथ.विभा. नयापुरा	"	"	"	"
७९७	प्रा.शाला डाबरी	"	"	"	"
७९८	" मोगराखेड़ा	"	"	"	"

प्राथमिक शालायें

क्र०	विद्यालय का नाम	शास./अशा.	संस्था विकास वृत (सहा. का प्रकार	खण्ड	जि शा. निरीक्षक)
१	२	३	४	५	६
७९९	,, सिवानियाँ	,,	,,	"	"
८००	,, झाली	,,	,,	"	"
८०१	,, झिरनियाँ	,,	,,	"	"
८०२	,, सिराली	,,	,,	"	"
८०३	,, भिलाई	,,	,,	"	"
८०४	प्राथ विभा. टिकामोड़	,,	,,	"	"
८०५	प्रा शाला रफीकगंज	,,	,,	"	"
८०६	,, सिद्दगपुर	,,	,,	"	"
८०७	,, सनकोटा	,,	,,	"	"
८०८	,, भैसान	,,	,,	"	"
५०९	,, अम्बा कदीम	,	,,	"	"
८१०	प्राथ. विभा वासुदेव	,,	,,	"	"
८११	,, सुकरवास	,,	,,	"	"
८१२	,, शाला वाकोट	,,	,,	"	"
८१३	,, मंजीखेड़ी	,,	,,	"	"
६१४	" मगरियाँ	,,	,,	"	"
८१५	" डोभी	"	"	"	"
८१६	" गोरखपुर	,,	,,	"	"
८१७	,, गिरहरी	,,	,,	"	"
८१८	,, निमोटा	,,	,,	"	"
८१९	प्रथ.शाला श्यामपुर	शास	बालक	"	"
८२०	,, पागरी	,,	,,	"	"
८२१	,, छापरी	,,	,,	"	"
८२२	प्र वि सेमलपानी कदीम	,,	,,	"	"
८२३	प्र शाला निम्नागाँव	,,	,,	"	"
८२४	,, महागाँव कदीम	,,	,,	"	"
८२५	,, सालारोड़	,,	,,	"	"
८२६	प्र विभा. बोर. कलाँ	,,	,,	"	"
८ ७	, शाला ओगला	,,	,,	,,	,,
८२८	प्र.शाला बिजला	,,	,,	,,	,,
८२९	, चांदागहन	,,	,,	,,	,,
८३०	, बढ़नगर	,,	,,	,,	,,
८३१	, खरसनियाँ	,,	,,	,,	,,
८३२	, तलैया	,,	"	"	"
८३३	, बसंतपुर	"	"	"	"
८३४	, सेमलपानी	"	"	"	"

जिले में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्राथमिक शालाएँ

१	प्रा. शा. सवापुरा	शास.	बालक	इछावर	इछावर
२	,, गादिया	"	"	"	"
३	,, सोहनखेड़ा	"	"	"	"
४	,, डूंडालावा	"	"	"	"
५	,, धाईखेड़ा	"	"	"	"
६	, बामला दड़	"	"	"	"
७	, झालपीपली	"	"	"	"
८	, मोयापानी	"	"	,,	,,
९	इरि.क.प्रा.शा.सीहोर	,,	"	,,	,,

National Institute of Educational Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. 3957
Date 14/9/87

३० सितम्बर १९८६ की स्थिति के परांत ३१ मार्च १९८७ तक खोले गये प्राथमिक विद्यालय

क्र०	विद्यालय का नाम	शास.	संस्था का प्रकार	विकासवृत (सहा. खण्ड जि. शा. निरीक्षक)	
१	२	३	४	५	६
१	प्रा.शा.मूंजाखेड़ा (पचनिवारिया)	शास.	बालक	सीहो	श्यामपुर
२	क.प्रा शा मुरावर	"	कन्या	आष्ट	जावर
३	प्रा.शा. वीरपुर	"	"	इछावर	इछावरप्र.
४	" नई बस्ती शाह.	"	"	बुधनी	शाहगंज
५	" गोपालपुर	"	"	नस.गंज	नस.गंजप्र.

३० सितम्बर १९८६ के उरांत ३१ मार्च १९८७ तक खोले गये माध्यमिक विद्यालय

१	मा.शा. जमोनियाखुर्द	"	"	सीहो	दोराहा
२	" छापर	"	"	आष्ट	आष्टा द्वि.
३	" कोलार का. वीरपुर	"	"	इछावर	इछावरप्र.
४	" सेमरी	"	"	बुधनी	रेहटी

जिले में स्थित अशासकीय संस्थाओं की सूची

१	प्रा. शा. मोदी शिशु सीहोर	"	सीहोर	सीहोर	
२	" ईमानुअल	"	"	"	"
३	" टिनीटाटस	"	"	"	"
४	" शारदा वि.मं.	"	"	"	"
५	" मान्टेसरी	"	"	"	"
६	" सुल्तानमियां	"	"	"	"
७	" सनबीम	"	"	"	"
८	" बाल विद्या मं	"	"	"	"
९	" मॉडल नर्सरी	"	"	"	"
१०	" शास्त्री स्मृति	"	"	"	"
११	" बापू शिक्षा मं.	"	"	"	"
१२	" रुबी	"	"	"	"
१३	" महिला संघ	"	"	"	"
१४	" महर्षि दया.सर.	"	"	"	"
१५	" महा प्रताप	"	"	"	"
१६	" सरस्वती शि मं.	"	"	"	"
१७	" संतकंवर.कान्वे.	"	"	"	"
१८	" माणकचंद माहेश्वरी	"	"	"	"
१९	" पुष्प कान्वेन्ट	"	"	"	"
२०	" शास्त्री स्मृति	"	"	इछावर	इछावर
२१	" स्मृति बा निके	"	"	आष्टा	आष्टा
२२	" पुष्प विद्यालय	"	"	"	"
२३	" बाल वि. मंदि	"	"	"	"
२४	" शास्त्री स्मृति	"	"	"	"
२५	" संस्कृत शि. मं.	"	"	"	"
२६	" भार.विद्या.मं.	"	"	"	"
२७	" सेन्ट पाल	"	"	"	"
२८	" विद्याभारती रेहटी	"	"	बुधनी	रेहट
२९	" शास्त्रीस्मृतिरेहटी	"	"	"	रेहटी
३०	" गांधी मेमो. रेहटी	"	"	"	"
३१	" यूथ कान्वे. मेमो. लाड़कुई	"	"	"	न.गंज
३२	" शास्त्रीस्मृतिविद्या मंदिर	"	"	"	"

मुद्रक :-स्मृति प्रिन्टर्स, ५५,अहिल्यापुरा, इन्दौर-४५२ ००२ ☎ ३६११२

NIEPA DC
D03957

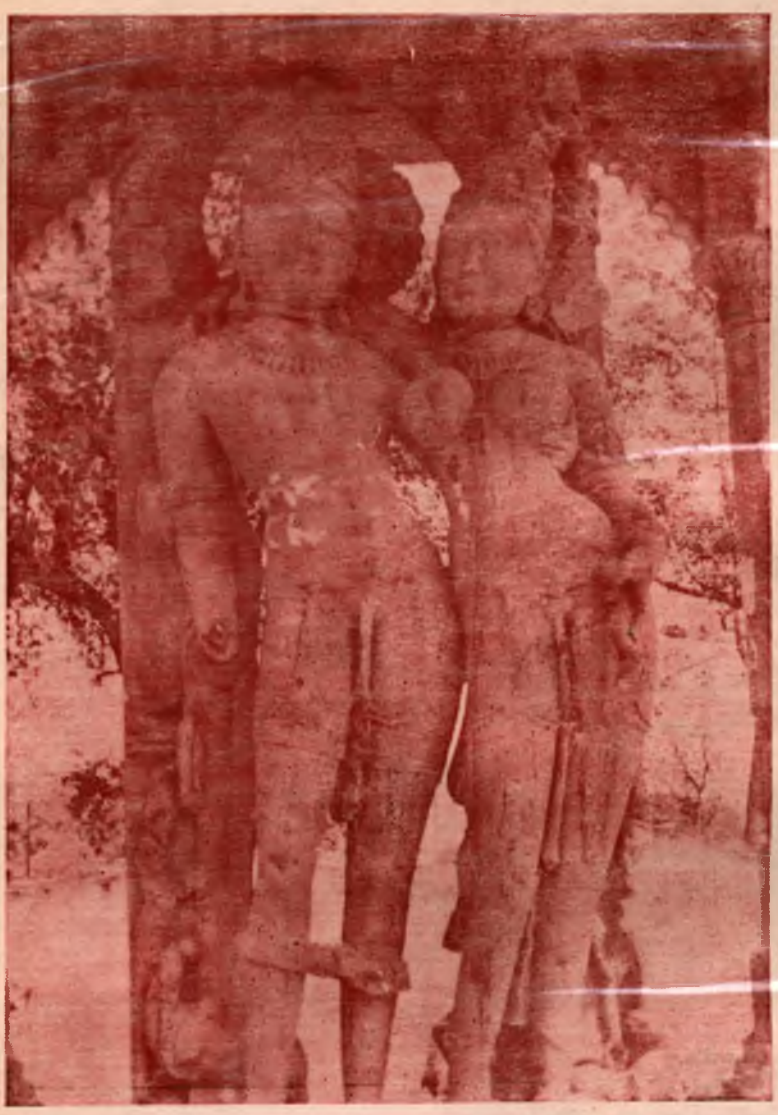

(पुरावशेष--सोहोर--जिला)